www.tamsasanket.com
वर्षः 05 || अंक 295 || लखनऊ
गुरुवार
29 जनवरी 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
29 जनवरी 2026 पृष्ठः 04 मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:53
सूर्यास्तः 05:46
अधिकतमः 21:00
न्यूनतमः 11:00

पेज 03

विशेष समाचार यूनिवर्सिटी-कॉलेज में जातिगत ... >> पेज 02 | बरेली सिटी मजिस्ट्रेट को ले जा ... >> पेज 04 | अरिजीत सिंह ने छोड़ी प्लेबैक सिंगिंग ...

"इस हादसे के बाद राजनीतिक जगत से लगातार शोक संदेश आ रहे हैं। दिल्ली से भी कई नेता एनसीपी संस्थापक शरद पवार के आवास की ओर रवाना हो रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से फोन पर बात कर हादसे की जानकारी ली है।"

बारामती में लैंडिंग के दौरान गिरकर खाक, सभी 5 सवार मारे गए, अंतिम संस्कार आज

अजित पवार का प्लेन क्रैश में निधन

हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र के डिप्टी CM अजित पवार का निधन हो गया है। बुधवार सुबह 8.45 बजे बारामती एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान उनका चार्टर्ड प्लेन क्रैश हो गया। वे 66 साल के थे। हादसे में पवार के सुरक्षाकर्मी, दो पायलट और एक महिला क्रू मेंबर समेत 5 लोगों की जान गई। पवार 5 फरवरी को पुणे में होने वाले जिला परिषद चुनावों के लिए चार रैलियों को संबोधित करने वाले थे। वे मुंबई से सुबह 8.10 बजे रवाना हुए थे। केंद्रीय एविएशन मिनिस्टर राम मोहन नायडू ने बताया कि पायलट ने बारामती एयरपोर्ट पर लैंडिंग की कोशिश की थी, लेकिन रनवे साफ दिखाई नहीं दिया तो वह प्लेन को दोबारा ऊंचाई पर ले गया। पहली कोशिश नाकाम रहने के बाद बारामती के रनवे-11 पर दोबारा लैंडिंग की कोशिश की गई। इस दौरान विमान रनवे से पहले ही गिर गया और उसमें आग लग गई। इस दौरान पायलट ने कोई इमरजेंसी सिग्नल नहीं दिया था। उसने 'मेडे' कॉल भी नहीं किया था। महाराष्ट्र CM देवेंद्र फडणवीस बारामती पहुंच गए हैं। उन्होंने आज स्कूलों की छुट्टी और 3 दिन के राजकीय शोक की घोषणा की है। पवार का अंतिम संस्कार बारामती में गुरुवार सुबह 11 बजे किया जाएगा।

>> (शेष पेज 04 पर)

शरद पवार बोले-अजित की मौत में राजनीति को न लाएं

विपक्षी नेताओं ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की विमान हादसे में मौत की जांच कराने की मांग की है। बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने बुधवार को कहा कि हादसे की जांच सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में की जानी चाहिए। उधर, एनसीपी (शरद) नेता और अजित के चाचा शरद पवार ने कहा कि यह हादसा है। इस पर राजनीति नहीं की जानी चाहिए। महाराष्ट्र ने एक काबिल इंसान खो दिया है। उसके पास फैसल लेने की ताकत थी।

एविएशन मिनिस्टर बोले- क्रैश के वक्त विजिबिलिटी खराब थी

एविएशन मिनिस्टर राम मोहन नायडू ने बुधवार को कहा कि शुरुआती जानकारी के अनुसार, जब महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार को ले जा रहा विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ, तब बारामती हवाई अड्डे पर विजिबिलिटी खराब थी। नायडू और नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल पवार के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए दिल्ली से पुणे पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि जब ATC बारामती ने पायलट से पूछा कि क्या रनवे दिख रहा है, तो जवाब न में था, जिसके बाद विमान ने गो-अराउंड किया। मंत्री ने कहा कि दूसरी बार लैंडिंग की कोशिश के दौरान ATC ने फिर से पूछा कि क्या रनवे दिख रहा है, जिस पर पायलट ने कहा- हां दिख रहा है। नायडू ने कहा कि ATC से लैंडिंग की अनुमति मिलने के बाद विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हम और जानकारी मांग रहे हैं और जांच करेंगे।

पीएम मोदी ने शरद पवार से बात की

पीएम मोदी ने अजित के चाचा और NCP-SP के नेता शरद पवार से बात की और बारामती में एयर क्रैश में महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजीत पवार की मौत पर शोक जताया शरद बारामती हॉस्पिटल भी पहुंचे, नायडू ने कहा कि ATC से लैंडिंग की अनुमति मिलने के बाद विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हम और जानकारी मांग रहे हैं ।

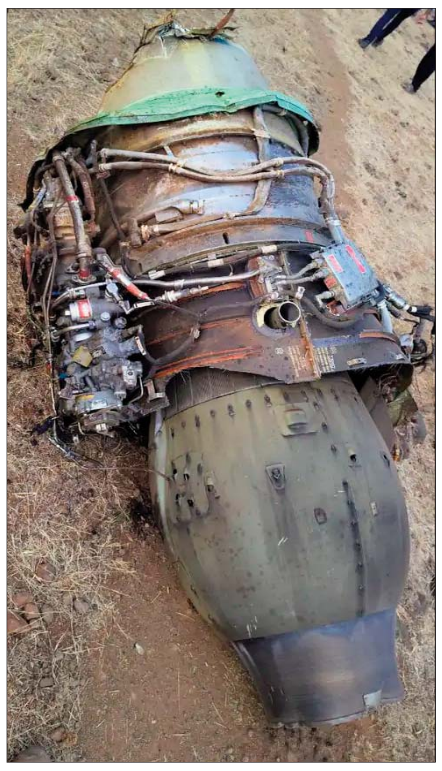

प्लेन क्रैश के बाद उसका इंजन दूर जाकर गिरा।

ममता बनर्जी ने की जांच की मांग

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि इस दर्दनाक हादसे की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए ताकि दुर्घटना के कारणों का पता चल सके. उन्होंने हादसे को बेहद गंभीर बताते हुए जवाबदेही तय करने की जरूरत पर जोर दिया. ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर अजित पवार के अचानक निधन पर गहरा दुख जताया. उन्होंने लिखा कि इस खबर से वह स्तब्ध और बेहद आहत हैं. ममता बनर्जी ने अपने संदेश में कहा, 'अजित पवार के अचानक निधन से मैं बेहद दुखी और स्तब्ध हूं. यह देश के लिए बड़ी क्षति है.'

जयपुर में दो फ्लाइट रनवे टच कर फिर उड़ी

एअर इंडिया के प्लेन में थे कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर रंधावा

दहशत

तमसा संकेत, एजेंसी

जयपुर। जयपुर एयरपोर्ट पर बुधवार को एक ही दिन में दो विमानों को पहली कोशिश में लैंडिंग छोड़कर गो-अराउंड करना पड़ा। दिल्ली से जयपुर पहुंची एअर इंडिया की फ्लाइट AI - 1719 की लैंडिंग फेल होने से दहशत फैल गई। बुधवार दोपहर को विमान रनवे को टच करते ही वापस उड़ गया। देहरादून से जयपुर आई इंडिगो की फ्लाइट 6E-7275 ने भी पहली बार में लैंडिंग नहीं कर पाई थी। जानकारी के अनुसार फ्लाइट में कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा भी थे।

>> (शेष पेज 04 पर)

"एयरपोर्ट सूत्रों ने बताया कि उड़ानों के संचालन में इस तरह की स्थिति पूरी तरह सुरक्षा मानकों के तहत आती है। ऐसे में पायलट को किसी भी स्तर पर लैंडिंग सुरक्षित नहीं लगती, तो वह विमान को दोबारा हवा में उठाने का निर्णय ले सकता है।"

एनसीसी कैडेट्स 20 लाख पार : पीएम मोदी

लड़कियों की संख्या भी बढ़ी, मोदी ने अजित पवार के निधन पर दुख जताया

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बुधवार को दिल्ली कैंटोनमेंट के कैरियप्पा परेड ग्राउंड में नेशनल कैडेट कोर (NCC) पीएम रैली में शामिल हुए। रैली की थीम 'राष्ट्र प्रथमकर्तव्य निष्ठ युवा' रही। पीएम ने NCC में लड़कियों की संख्या बढ़ने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा- इस बार भी बड़ी संख्या में लड़कियों ने शिविर में हिस्सा लिया। मैं खासतौर पर उन्हें बधाई देता हूं। पीएम ने कहा कि कुछ सालों में NCC कैडेट्स की संख्या 14 लाख से बढ़कर 20 लाख हो गई। खासकर बॉर्डर-तटीय इलाकों में काफी बढ़ोतरी हुई है। पीएम ने कार्यक्रम में महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार के निधन पर दुख जताया। दरअसल, NCC पीएम रैली महीने भर चले एनसीसी गणतंत्र दिवस शिविर 2026 के समापन का प्रतीक है, जिसमें देशभर से 2,406 एनसीसी कैडेट्स ने भाग लिया। इनमें 898 बालिका कैडेट्स शामिल रहीं।

पीएम ने कहा कि कुछ सालों में NCC कैडेट्स की संख्या 14 लाख से बढ़कर 20 लाख हो गई है।

>> (शेष पेज 04 पर)

फास्ट न्यूज

अविमुक्तेश्वरानंद माघ मेला छोड़कर गए

प्रयागराज। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने प्रयागराज माघ मेला छोड़ दिया है। वह काशी के लिए रवाना हो गए हैं। इससे पहले, उन्होंने बुधवार सुबह प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- आज मन इतना व्यथित है कि हम बिना स्नान किए ही विदा ले रहे हैं। इस दुख की भरपाई पता नहीं कौन सा नेता आएगा कौन सी पार्टी आएगी जो करेगी। प्रयागराज हमेशा से आस्था और शांति की धरती रही है।

फ्लाई ओवर 4-लेन से 2-लेन हुआ

मुंबई। मुंबई के मीरा-भायंदर इलाके में मेट्रो लाइन-9 प्रोजेक्ट के तहत बने नए डबल डेकर फ्लाई ओवर को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। करीब 100 करोड़ रुपए की लागत से बना यह डबल-डेकर फ्लाई ओवर शुरुआत में फोर लेन का है लेकिन आगे चलकर अचानक सिर्फ टू लेन का रह जाता है। सोशल मीडिया पर इसकी डिजाइन को इंजीनियरिंग का अद्भुत नमूना बताते हुए तंज कसा जा रहा है। लोगों ने इसे 'डेथ ट्रैप' और 'आसमान में लगने वाला जाम' जैसे नाम दिए। लोगों ने कहा कि फोर लेन से अचानक टू लेन में सिमटने के कारण यह फ्लाई ओवर बोतलनेक साबित होगा, जिससे भारी ट्रैफिक जाम और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ सकता है।

चारधाम में गैर-हिंदुओं पर रोक के समर्थन में वक्फ बोर्ड

देहरादून। चारधाम यात्रा में गैर हिंदुओं के प्रवेश पर रोक के प्रस्ताव को वक्फ बोर्ड ने समर्थन दिया है। उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष शादाब शम्स ने इस मुद्दे पर खुलकर पक्ष रखते हुए कहा कि जिनकी आस्था सनातन धर्म के तीर्थ स्थलों से नहीं जुड़ी है, उनकी एंट्री पर रोक पूरी तरह ठीक है। लेकिन इसी बीच चार धामों में गैर हिंदुओं की एंट्री पर प्रतिबंध के प्रस्ताव ने सियासी बहस छेड़ दी है।

देशभर में यूजीसी के नए नियमों का विरोध

यूपी में सवर्ण युवकों ने मुंडन कराया, बिहार में फांसी मांगी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/लखनऊ/पटना। देशभर में जनरल कैटेगरी के स्टूडेंट्स और सवर्ण जाति के लोगों का यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (UGC) के नए नियमों को लेकर विरोध जारी है। बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने नए नियमों के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई की मांग स्वीकर की। सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने वकीलों की दलीलों पर ध्यान दिया। सीजेआई ने कहा- हमें पता है कि क्या हो रहा है। सुनिश्चित करें कि खामियों को दूर किया जाए। हम इसे लिस्ट करेंगे। इधर, यूपी-बिहार में आज भी जमकर हंगामा हुआ। स्टूडेंट्स और सवर्ण जातियों के लोग सड़कों पर उतरे। यूपी के पीलीभीत में सवर्ण समाज के युवकों ने मुंडन कराया। UGC ने 13 जनवरी को अपने नए नियमों को नोटिफाई किया था। इसके तहत कॉलेजों और यूनिवर्सिटी में जाति आधारित भेदभाव को रोकने के लिए विशेष समितियां, हेल्पलाइन और मॉनिटरिंग टीमें बनाने के निर्देश दिए हैं। ये टीमें खासतौर पर SC, ST और OBC छात्रों की शिकायतों को देखेंगी।

वीबी-जी राम कानून के जिक्र पर विपक्ष का विरोध, एनडीए सांसदों ने किया समर्थन

राष्ट्रपति के अभिभाषण से बजट सत्र की शुरुआत, संसद में हंगामा

विवाद

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। 18वीं लोकसभा के बजट सत्र का पहला हिस्सा बुधवार को लोकसभा और राज्यसभा की जॉइंट मीटिंग में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण के साथ शुरू हो गया है। राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार देश में आर्थिक प्रगति और सामाजिक न्याय के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार भ्रष्टाचार और घोटालों से निपटने में सफल रही है। राष्ट्रपति ने 45 मिनट की स्पीच में VB-जी राम जी कानून का भी जिक्र किया। इस पर विपक्ष ने हंगामा किया और कानून वापस लो के नारे लगाए। उधर, एनडीए सांसदों ने समर्थन में नारेबाजी की। पीएम मोदी और अमित शाह भी मेज थपथपाते नजर आए। बजट सत्र 28 जनवरी से 2 अप्रैल तक चलेगा। यह दो हिस्सों में होगा। पहला हिस्सा 28 जनवरी से 13 फरवरी तक और दूसरा हिस्सा 9 मार्च से 2 अप्रैल तक होगा। इस दौरान कुल 30 बैठकें होंगी। 28 जनवरी और 1 फरवरी को कोई शून्यकाल नहीं होगा। सिंधु जल संधि को स्थगित रखा गया है और यह आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई का हिस्सा है।

"राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, 'मेरी सरकार की नीतियों के अनुरूप सुरक्षा बलों ने माओवादी आतंक के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की है। वर्षों तक देश के 126 जिलों में भय और अविश्वास का माहौल था। माओवादी विचारधारा ने कई पीढ़ियों के भविष्य को अंधकार में धकेल दिया। आदिवासियों और दलितों को सबसे अधिक नुकसान हुआ।"

राष्ट्रपति ने कहा- हम किसी को ना डराएं और न ही किसी से डरें

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, 'श्री गुरु तेग बहादुर जी ने हमें सिखाया-'भय काहूं को देत नहीं, नहीं भय मानत आन', यानी न हम किसी को डराएं और न ही किसी से डरें। इसी निडर मन और भावना के साथ हम देश की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं। भारत ने यह सिद्ध किया है कि शक्ति का प्रयोग जिम्मेदारी और विवेक के साथ किया जा सकता है। ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पूरी दुनिया ने भारतीय सशस्त्र बलों का शौर्य देखा। अपने संसाधनों के बल पर हमारे देश ने आतंक के अड्डों को नष्ट किया। मेरी सरकार ने यह कड़ा संदेश दिया है कि भारत पर होने वाले हर हमले का जवाब मजबूत और निर्णायक होगा।

>> (शेष पेज 04 पर)

लोकार्पण : सिद्धार्थनगर में सीएम बोले- नेता प्रतिपक्ष ने साहस दिखाया, हम विकास में काट-छांट नहीं करते

योगी-माता प्रसाद पांडेय मंच पर साथ बैठे

तमसा संकेत, एजेंसी

सिद्धार्थनगर। सीएम योगी और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय मंच पर एक साथ बैठे नजर आए। सिद्धार्थनगर में सीएम के बगल में उनकी कुर्सी लगी थी। सीएम ने मंच से माता प्रसाद पांडेय की तारीफ की। कहा- आज उन्होंने साहस दिखाया कि इस महोत्सव में वे खुद आए और डुमरियागंज की सपा विधायक सैयदा खातून को भी साथ लाए। सीएम ने कहा- यह अच्छा प्रयास है। कोई ऐसा मंच होना चाहिए, जहां हम एक साथ विकास की बात कर सकें। यहां के जो विधायक मेरे पास प्रस्ताव लेकर आते हैं, मैं बिना भेदभाव और बिना काट-छांट के विकास परियोजनाओं के लिए पैसा देता हूं। सीएम ने आज कपिलवस्तु महोत्सव-2026 का उद्घाटन किया। इस दौरान 1,051 करोड़ रुपए की 229 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया। योगी ने महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार के प्लेन क्रैश में निधन पर शोक जताया। कहा- मेरी संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं। प्रदेश पहले बीमारू राज्य हुआ करता था, लेकिन आज पूर्वांचल विकसित है। पहले पूरा पूर्वांचल बीमार था। बच्चे इंसेफ्लाइटिस से दम तोड़ते थे। वे बच्चे हमारे उत्तर प्रदेश का भविष्य थे। डबल इंजन की सरकार ने दशकों की बीमारी को दूर भगाया। अब यहां कोई इंसेफ्लाइटिस से नहीं मरता।

1,052 करोड़ लागत की 229 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास भी हुआ

गोरखपुर-शामली इकोनॉमिक कॉरिडोर 3 विस से होकर जा रहा

सीएम ने कहा- नेपाल मित्र राष्ट्र है। वहां जाने के लिए इंटरस्टेट कनेक्टिविटी की सुविधा दी गई। खलीलाबाद से बहराइच होते हुए जो रेल लाइन जा रही है, उसका 80 किलोमीटर हिस्सा सिद्धार्थनगर से होकर निकल रहा है। यह विकास हो रहा है। गोरखपुर-शामली इकोनॉमिक कॉरिडोर सिद्धार्थनगर की तीन विधानसभाओं से होकर जा रहा है।

सीएम ने कहा- आज से 8 से 10 साल पहले कोई सोच सकता था कि सिद्धार्थनगर में अपना मेडिकल कॉलेज बनेगा। आज यहां माधव बाबू के नाम पर शानदार मेडिकल कॉलेज बनकर तैयार है। अब यहां नर्सिंग कॉलेज भी शुरू हो गया है। आज यहां महिला छात्रावास का शिलान्यास किया है। 1000 सीटर ऑडिटोरियम के शिलान्यास के कार्य को आगे बढ़ाया है।

राहुल गांधी के खिलाफ दायर ब्रिटिश नागरिकता की याचिका खारिज

लखनऊ एमपी-एमएलए कोर्ट का फैसला, 8 दिन चली सुनवाई

याचिका

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ की विशेष एमपी-एमएलए कोर्ट ने नेता प्रतिपक्ष और सांसद राहुल गांधी के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी है। ब्रिटिश नागरिकता मामले में आठ दिन तक चली सुनवाई के बाद विशेष न्यायाधीश तृतीय एसीजेएम आलोक वर्मा ने यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा- मामले में हाईकोर्ट- सुप्रीम कोर्ट से अब तक कोई आदेश पारित नहीं हुआ है। याचिकाकर्ता की ओर से नागरिकता (सिटीजनशिप) के संबंध में कोई नया या ठोस साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है। न्यायाधीश ने स्पष्ट किया कि नागरिकता से जुड़े मामलों में निर्णय देने का अधिकार इस न्यायालय को नहीं है। इसलिए इस स्तर पर न्यायालय कोई फैसला नहीं देगा। मामला भाजपा सदस्य एस. विग्नेश शिशिर द्वारा दायर याचिका से जुड़ा है, जिसमें राहुल गांधी की ब्रिटिश नागरिकता को लेकर गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई थी।

- याचिकाकर्ता एस. विग्नेश शिशिर ने स्वयं अदालत में अपना पक्ष रखा था।
- एस. विग्नेश शिशिर ने याचिका दायर की थी।

"याचिकाकर्ता एस. विग्नेश शिशिर ने बताया- एमपी एमएलए कोर्ट ने हमारी याचिका को स्वीकार नहीं किया है। हम रिवीजन पिटिशन डालेंगे। न्यायाधीश हमारे मामले को पूरी तरह समझ नहीं पाए हैं। एक बार फिर से सभी तथ्यों के साथ न्यायालय के समक्ष पेश होंगे।"

सम्पादकीय

साम्प्रदायिकता की आंच में तपती देवभूमि

हमारा देश जब लोकतंत्र की स्थापना के 78वें वर्ष की ओर कदम बढ़ा रहा था, तब देवभूमि कहे जाने वाले उसके ही एक प्रान्त में एक सदी से भी ज़्यादा पुरानी विरासत पर भद्दी गालियों, जय श्रीराम और बजरंग बली की जय जैसे आक्रामक नारों के साथ हथौड़े और सब्बल चलाये जा रहे थे, वहां रखे धार्मिक ग्रंथों को नुकसान पहुंचाया जा रहा था और धार्मिक उन्माद फैलाने की कोशिश की जा रही थी। दरअसल, मसूरी के एक मिशनरी स्कूल की निजी ज़मीन पर स्थित बाबा बुल्ले शाह की मजार बहुसंख्यक गुंडागर्दी की बलि चढ़ गई। उसके साथ मौजूद दो अन्य मज़ारों को भी तोड़ दिया गया, वहीं दानपेटी को तोड़कर नकदी निकाल ली गई। भाईचारे और सौहार्द्र का प्रतीक रही बुल्ले शाह की मज़ार के परिसर में रविवार की शाम मुट्ठी भर हिन्दूवादी जूते पहनकर घुस गये और अपने घटिया इरादों को अंजाम दिया। इस घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया। मसूरी पुलिस ने तीन नामजद आरोपियों सहित 25-30 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस बीच हिन्दू रक्षा दल के अध्यक्ष भूपेंद्र उर्फ पिंकी चौधरी ने अपने संगठन के कार्यकर्ताओं द्वारा इस तोडफ़ोड़ की ज़िम्मेदारी ली है। पुलिस कब और कैसे इस दावे का संज्ञान लेती है, देखना होगा। हालांकि इस पूरे प्रकरण में राहत की बात ये रही कि पुलिस में शिकायत करने जाने वालों में केवल मुस्लिम संगठन ही नहीं, दूसरे समुदायों के लोग भी शामिल थे। बाबा बुल्ले शाह- जिन्हें बुल्लेया कहकर भी संबोधित किया जाता है, एक क्रांतिकारी दार्शनिक, समाज सुधारक और कवि थे, जिन्हें पंजाबी भाषा के महानतम कवियों में से एक माना जाता है और जिनका सम्मान 'पंजाबी ज्ञानोदय के जनक' के रूप में है। उनका असल नाम सैयद अब्दुल्लाह शाह कादरी था और उन्हें हजरत मुहम्मद साहब की पुत्री फातिमा का वंशज माना जाता है। उनके पिता शाह मुहम्मद थे जिन्हें अरबी, फारसी और कुरान शरीफ़ का अच्छा ज्ञान था। पिता के नेक जीवन का प्रभाव बुल्ले शाह पर भी पड़ा और शायद इसीलिए 'सैयद' यानी ऊंची जाति से होते हुए भी उन्होंने निचली जाति 'आराइन' के शाह इनायत को अपना गुरु बनाया। हिन्दी और पंजाबी में अनगिनत गीत बुल्ले शाह की रचनाओं पर आधारित हैं या उनमें बुल्ले शाह का हवाला है। 1970 के दशक में नरेंद्र चंचल का गाया गीत- 'बेशक मंदिर-मस्जिद तोड़ो, बुल्ले शाह ये कहता / पर प्यार भरा दिल कभी न तोड़ो, जिस दिल में दिलबर रहता' हरेक किशोर और युवा की ज़बान पर हुआ करता था। लगभग दो दशक पहले मशहूर पंजाबी गायक रब्बी शेरगिल ने 'बुल्ला की जाणा मैं कौन' गाकर तारीफें हासिल की तो करीब एक दशक पहले रणबीर कपूर पर फिल्माया गया 'यार बुल्लेया' गीत भी काफ़ी लोकप्रिय हुआ। 'दमादम मस्त कलंदर' तो बाबा बुल्ले शाह की सदाबहार रचना है ही। लेकिन धर्म का इकहरा और बेसुरा राग अलापने वाले जाहिल क्या जानें कि कविता क्या होती है और उसे संगीत में पिरोना क्या होता है, बुल्ले शाह की रचनाओं और उनके दर्शन को समझना तो बहुत दूर की बात है। इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता कि बुल्ले शाह की मज़ार पर हमला सुनियोजित ढंग से किया गया हो। ताज्जुब है कि एक हिन्दूवादी संगठन खुलकर इस हमले की जिम्मेदारी ले रहा है, लेकिन उसकी भनक तक पुलिस को नहीं लगी। क्या यह सीधे-सीधे पुलिस के निगरानी और सूचना तंत्र की असफलता नहीं है। वैसे, उत्तराखंड जिस तेजी से हिन्दुत्व की प्रयोगशाला बनता जा रहा है, उसे देखकर यह माना जा सकता है कि धर्म के नाम पर उपद्रव करने वालों को कहीं न कहीं से शह मिल रही है और कानून-व्यवस्था बनाये रखने के लिये ज़िम्मेदार केवल खानापूरी कर रहे हैं। 'सबरंग इंडिया' वेबसाइट ने इस पहाड़ी प्रदेश में हुई सांप्रदायिक घटनाओं पर नागरिक अधिकारों के संरक्षण के लिए गठित संघ (एपीसीआर) की तथ्यान्वेषी रिपोर्ट प्रकाशित की है, जिसमें 2021 और 2025 के बीच उत्तराखंड के कई जिलों में मुसलमानों को प्रभावित करने वाली सांप्रदायिक हिंसा, धमकी, बेदखली, विस्थापन और उनके धर्मस्थलों पर हमले की घटनाओं की एक श्रृंखला का दस्तावेजीकरण किया गया है। 'बहिष्कृत, लक्षित और विस्थापित :उत्तराखंड में सांप्रदायिक कथाएं और हिंसा साम्प्रदायिक' शीर्षक वाली यह रिपोर्ट ज़मीनी जांच, पीड़ितों के बयानों, पुलिस रिकॉर्ड, अदालती दस्तावेजों, आधिकारिक नोटिसों और मीडिया रिपोर्टों पर आधारित है। एपीसीआर ने दिसंबर 2021 की हरिद्वार धर्म संसद को एक महत्वपूर्ण घटना के रूप में चिह्नित किया है। इस तीन दिवसीय सम्मेलन में कई हिन्दुत्ववादी धार्मिक नेताओं ने भाषण दिये जिनमें मुसलमानों के ख़िलाफ़ हिंसा, हिन्दू राष्ट्र की स्थापना और इस्लाम एवं ईसाई धर्म के दमन का आह्वान किया गया। 2023 में, उत्तराखंड सरकार ने सरकारी भूमि पर बने 'अवैध ढांचों' की पहचान करने और उन्हें हटाने के लिए राज्यव्यापी अभियान शुरू किया। मई 2024 तक, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दावा किया कि 5 हज़ार एकड़ भूमि वापस ले ली गई है। 2023 में ही उत्तरकाशी जिले के पुरोला में एक मुस्लिम और एक हिन्दू युवक द्वारा एक नाबालिग हिन्दू लड़की के कथित अपहरण के मामले ने कोहराम मचा दिया। लड़की ने बाद में अदालत में कहा कि उसका अपहरण नहीं हुआ था और पुलिस ने उससे जबरन बयान लिया था। रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि 24 अक्टूबर, 2024 को स्वामी दर्शन भारती के नेतृत्व में एक रैली ने उत्तरकाशी मस्जिद को गिराने की मांग की। रैली हिंसक हो गई, पांच पुलिसकर्मी और 30 से अधिक नागरिक घायल हो गये।

यूनिवर्सिटी-कॉलेज में जातिगत भेदभाव के नए नियमों पर रार

> विरोधियों और आलोचकों का कहना है कि इन नियमों में 'झूठी शिकायतों' से निपटने का कोई साफ नियम नहीं है और इक्विटी कमेटी में जनरल कैटेगरी के प्रतिनिधित्व की बात भी नहीं की गई है. यानी चिंता ये भी है कि अगर विवाद की स्थिति बनती है

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) ने 13 जनवरी 2026 को नए नियमों को लागू किया है, जिसके खिलाफ सोशल मीडिया में #RollbackUGC ट्रेंड कर रहा है. इसे यूजीसी का काला कानून बताकर विरोध किया जा रहा है.विरोध करने वालों का कहना है कि इस नए नियम के तहत सामान्य वर्ग के छात्रों को संभावित अपराधी करार दे दिया गया है. लेकिन यूनिवर्सिटी और कॉलेज में जातिगत भेदभाव को रोकने के लिए शुरू हुई ये कवायद सियासी विवाद की शक्ल ले रहा है. उत्तर प्रदेश, दिल्ली समेत कई राज्यों में इसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं .गौरतलब है कि जीसी से मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय और कॉलेजों में 17 दिसंबर 2012 से ही जातीय भेदभाव रोकने के खिलाफ कुछ सलाहकारी नियम लागू हैं. इसे उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने से जुड़े नियम बताया गया है.इसमें कोई सजा का प्रावधान नहीं था. परन्तु यह जानना जरुरी है कि इस नियम की जरुरत क्यों पड़ी . इसके बारे में बताया जाता है कि जनवरी 2016 में तेलंगाना में रोहित वेमुला और मई 2019 को पायल ताडवी के आत्महत्या के मामलों के बाद पीड़ित परिजनों ने 29 अगस्त 2019 को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की और जातीय भेदभाव की शिकायतों पर कठोर नियमों की मांग की. जस्टिस सूर्यकांत मिश्रा की अध्यक्षता में सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने UGC को जातिगत भेदभाव की शिकायतों पर डेटा जुटाने और नए नियम बनाने का निर्देश जनवरी 2025 में दिया था.फिर फरवरी 2025 में एक ड्राफ्ट जारी किया गया. अखिल भारतीय पिछड़ा वर्ग छात्र संघ का कहना है कि कि ओबीसी को जातिगत भेदभाव की परिभाषा के दायरे से बाहर रखा गया है. उन्हें समानता समिति में शामिल नहीं किया जाता है. ड्राफ्ट में झूठी शिकायतों के लिए सजा का भी प्रावधान था. उनका तर्क था कि इससे शिकायतों करने वालों में ऐसे मामलों की जानकारी न देने का डर बैठ सकता है.ओबीसी छात्र संघ के मुताबिक, इसमें जातिगत भेदभाव की स्पष्ट परिभाषा नहीं बताई गई है, लिहाजा नए नियमों की जरूरत है. सरकार की ओर से जो पहला बयान आया है उसमें ये कहा गया है कि वह किसी के साथ अन्याय नहीं होने देंगे. शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस बयान में प्रदर्शनकारियों को कोई बड़ी राहत वाली बात नजर नहीं आई और उनकी चिंताएं जस की तस हैं. ऐसे में इस बात पर गहराई से नजर डालते हैं कि यूजीसी के नियम के मायने क्या हैं और इन नियमों में आखिर ऐसी क्या चिंताएं हैं कि स्टूडेंट्स से लेकर टीचर्स-प्रोफेसर्स तक प्रदर्शन के लिए मजबूर हैं. यूजीसी की ओर से कहा गया है कि इस नियम का उद्देश्य है कि वह उच्च शिक्षा संस्थानों में जाति आधारित भेदभाव और असमानता पर रोक लगा सकें. नए नियम के अनुसार, सभी विश्वविद्यालय और कॉलेज Equity Center, Equity Squad और Equity Committee बनाएंगे. साथ ही 24x7 हेल्पलाइन भी रहेगी. अगर कोई संस्थान इन नियमों का पालन नहीं करता, तो UGC उनकी मान्यता रद्द कर सकता है या फंड रोक सकता है. UGC का कहना है कि पिछड़ी जातियों, अनुसूचित जातियों और जनजातियों के खिलाफ शिकायतों में 2020 से 2025 के बीच 100% से ज्यादा वृद्धि हुई है. इसके अलावा रोहित वेमुला और पायल तड़वी जैसे मामलों में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों को ध्यान में रखते हुए यह नियम बनाया गया.ये नियम 2012 के पुराने नियमों की जगह लाए गए हैं, जो सिर्फ सलाह की तरह थे, जबकि नए नियमों का पालन करना अब सभी संस्थानों के लिए जरूरी होगा. पांच पॉइंट्स में पूरी कहानी समझिए. इन नियमों के तहत हर कॉलेज और यूनिवर्सिटी में एक 'इक्विटी कमेटी' बनाना जरूरी होगा. यह कमेटी भेदभाव से जुड़ी शिकायतें देखेगी और यह तय करेगी कि किसी के साथ गलत व्यवहार न हो. इस कमेटी में 'SC, ST, OBC, दिव्यांग और महिलाओं' का प्रतिनिधि रहना सबसे जरूरी होगा. इन नियमों का ड्राफ्ट पिछले साल फरवरी में सार्वजनिक किया गया था और उस पर सुझाव मांगे गए थे.ये नियम सुप्रीम कोर्ट के उस निर्देश के बाद लाए गए, जिसमें अदालत ने रोहित वेमुला और पायल तड़वी की माताओं की याचिका पर सुनवाई के दौरान UGC से नए नियम पेश करने को कहा था. यह याचिका 2012 के नियमों को लेकर बहुत कमजोर और उदासीन रुख से जुड़ी थी. यानी ये नियम बस मौजूद था, लेकिन इसके प्रति सक्रियता नहीं थी. इसके साथ ही हर संस्थान में एक 'इक्वल ऑपर्च्युनिटी सेंटर' भी बनाया जाएगा, जो कमजोर और वंचित वर्गों के छात्रों को पढ़ाई, फीस, सामाजिक और मानसिक सहयोग देगा. खासतौर पर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्ग, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग और दिव्यांगों के खिलाफ होने वाले भेदभाव को रोकना और उच्च शिक्षण संस्थानों में पूरी तरह समानता मिले. 2012 के नियम सिर्फ सलाह की तरह थे, लेकिन 2026 के नए नियम जरूरी और अनिवार्य बन जाती हैं और संस्थानों को इन नियमों के तहत काम करना ही होगा. यानी इक्वल ऑपर्च्युनिटी सेंटर, इक्विटी कमेटी, हेल्पलाइन और निगरानी तंत्र बनाने ही होंगे. इन नियमों को लेकर कई जगह विरोध हो रहा है, खासकर जनरल कैटेगरी के कुछ लोग कह रहे हैं कि नए नियम उनके लिए ठीक नहीं हैं. सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में कहा गया है कि नियमों में 'जाति-आधारित भेदभाव' को सिर्फ SC, ST और OBC तक सीमित कर दिया गया है. इससे जनरल कैटेगरी के लोगों को संस्थागत सुरक्षा नहीं मिल पाएगी. इस तरह ये नियम उनके लिए भेदभाव से भरे हो सकते हैं.सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका में कहा गया है कि रेगुलेशन 3(c) जाति-आधारित भेदभाव की परिभाषा को केवल SC, ST और OBC तक सीमित कर देता है. इसमें कहा गया है कि जाति-आधारित भेदभाव वही माना जाएगा, जो केवल इन वर्गों के खिलाफ हो. वहीं रेगुलेशन 3(e) में 'भेदभाव' को धर्म, नस्ल, जाति, लिंग, जन्मस्थान और दिव्यांगता के आधार पर किसी भी तरह के अनुचित या पक्षपात-पूर्ण व्यवहार के रूप में परिभाषित किया गया है. याचिका में तर्क दिया गया है कि इस तरह की परिभाषा से जनरल या गैर-आरक्षित वर्ग के छात्र और शिक्षक, जो जाति के आधार पर उत्पीड़न या पक्षपात का सामना कर सकते हैं, उन्हें संस्थागत संरक्षण और शिकायत निवारण से वंचित कर दिया गया है. नियमों के मुताबिक, किसी के साथ 'धर्म, जाति, लिंग, जन्मस्थान या दिव्यांगता' के आधार पर गलत या पक्षपातपूर्ण व्यवहार भेदभाव माना जाएगा, लेकिन आलोचकों का कहना है कि परिभाषा साफ नहीं है और इसका दुरुपयोग भी हो सकता है. अब संस्थान के प्रमुख को यह देखना होगा कि कैंपस में कोई भेदभाव न हो. शिकायत के लिए 'ऑनलाइन पोर्टल और हेल्पलाइन' होगी. अगर कोई संस्थान नियमों का पालन नहीं करता है, तो उस पर कार्रवाई हो सकती है और उसे UGC की योजनाओं से बाहर भी किया जा सकता है. हर HEI को एक इक्वल ऑपर्च्युनिटी सेंटर बनाना है.एकैडमिक और सामाजिक काउंसलिंग और कैंपस में विविधता को बढ़ावा देगा.इस सेंटर के तहत बनने वाली इक्विटी कमेटी में OBC, SC, ST, PwD और महिलाओं का प्रतिनिधित्व अनिवार्य होगा.

अशोक भाटिया

जन सुराज का ...

रामस्वरूप रावतसरे

ममता बनर्जी का ईडी और सीबीआई से टकराना कहीं भारी तो नहीं पड़ेगा ?

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी करीब 35 साल पुराने वामपंथी किले को ध्वस्त करने में 2011 में सफल हो गईं थी. उसके बाद से उनका रथ कभी नहीं रुका। भाजपा की लाख कोशिशों के बावजूद ममता ने तीसरी बार 2021 में बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की सरकार बना ली। इस साल 2026 में होने वाले बंगाल विधानसभा चुनाव में भी भाजपा ने एड़ी-चोटी का जोर लगा दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिछले 6 महीने के अंदर कई दौरे हो चुके हैं। चुनाव ज्यों-ज्यों करीब आता जाएगा, उनके दौरों का सिलसिला भी तेज होगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहते जेपी नड्डा ने बंगाल का हाल ही में दौरा किया था। नए राष्ट्रीय अध्यक्ष बने नितिन नवीन ने भी इस साल होने वाले सभी 5 राज्यों के चुनावों में भाजपा का परचम लहराने का संकल्प लिया है। नतीजे क्या होंगे, यह तो जनता तय करेगी लेकिन ममता बनर्जी केंद्रीय एजेंसियों से पंगा लेकर मुश्किल में पड़ती नजर आ रही हैं। अगर सुप्रीम कोर्ट प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के आरोपों पर उनके प्रतिकूल कोई फैसला देता है तो ममता की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। सीबीआई और ईडी से मुख्मंत्रियों के टकराव का हश्र जनता देख चुकी हैं। बिहार का सीएम रहते लालू प्रसाद यादव पर जब पशुपालन घोटाले के आरोप लगे और सीबीआई ने जांच शुरू की तो राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के समर्थकों ने खूब हुड़दंग मचाया। हालत यह थी कि लालू यादव को गिरफ्तार करने के लिए बात सेना बुलाने तक पहुंच गई थी। आरजेडी का कोई पैंतरा काम नहीं आया और अंततः 30 जुलाई 1997 को लालू यादव को सीबीआई ने गिरफ्तार कर लिया। बाद में मुकदमा चला और उन्हें सजा भी हुई। सीबीआई से उलझने के बावजूद लालू बच नहीं पाए। आजादी के बाद सेंट्रल एजेंसी द्वारा मुख्यमंत्री पद पर रहे किसी व्यक्ति के गिरफ्तार होने की यह पहली घटना थी। उन्होंने समझदारी नहीं दिखाई होती तो

सीएम रहते ही वे गिरफ्तार हो जाते। जब उन्हें गिरफ्तारी की आशंका प्रबल होती दिखी तो अरेस्ट होने से 2 दिन पहले ही 28 जुलाई 1997 को ही उन्होंने सीएम पद से इस्तीफा दे दिया और अपनी पत्नी राबड़ी देवी को सीएम बना दिया। ऐसे ही दिल्ली का सीएम रहते अरविंद केजरीवाल ने भी केंद्रीय एजेंसी ईडी से पंगा लिया। दिल्ली शराब नीति में घपले के आरोप में ईडी की ओर से पछताछ के लिए उन्हें लगातार 9 नोटिस भेजे गए। उन्होंने उसका न कोई जवाब दिया और न पूछताछ के लिए ईडी के समक्ष हाजिर ही हुए। आखिरकार ईडी ने उनके आवास पर छापा मारा और 21 मार्च 2024 को मनी लांड्रिंग मामले में पहली बार उन्हें गिरफ्तार किया। मुख्यमंत्री पद पर रहते केजरीवाल की यह पहली गिरफ्तारी थी। हालांकि इस मामले में उन्हें जमानत जल्द ही मिल गई लेकिन उन्हें जेल से बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। दूसरी बार उन्हें 26 जून 2024 को सीबीआई ने तिहाड़ जेल से ही गिरफ्तार कर लिया। अगर वे लालू यादव की तरह समझदारी दिखाते तो सीएम के रूप में उनके गिरफ्तार होने का रिकार्ड नहीं बनता। वे भी अपनी पत्नी को सीएम की कुर्सी पर बिठा सकते थे। केजरीवाल ने दूसरा रिकार्ड यह बनाया कि वे करीब 6 महीने तक जेल से ही सरकार चलाते रहे। बाद में इस पर कोर्ट से लेकर मीडिया तक हंगामा मचा तो उन्होंने आतिशी को मुख्यमंत्री की कुर्सी सौंपी, यानी ईडी से पंगा लेना अरविंद केजरीवाल को महंगा पड़ा। इसी प्रकार झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन पर जमीन घोटाले का आरोप लगा। मामला मनी लांड्रिंग का बना तो ईडी ने जांच के लिए उन्हें कई बार नोटिस भेजा। इस मामले को हेमंत सोरेन ने हल्के में लिया। वे ईडी से राहत की उम्मीद में हाईकोर्ट-सुप्रीम कोर्ट का चक्कर लगाते रहे। 10 नोटिस के बावजूद जब हेमंत सोरेन ने ईडी को कोई जवाब नहीं भेजा तो आखिरकार ईडी ने उन्हें 31 जनवरी 2024 को उनके सरकारी आवास से गिरफ्तार कर लिया। जमीन घोटाले का मामला अभी अदालत में है, लेकिन जमानत मिलने के बाद हेमंत सोरेन ने एक ही टर्म में दूसरी बार सीएम पद की शपथ लेने का रिकार्ड बना दिया। बहरहाल, हेमंत सोरेन भी ईडी से पंगा लेकर बच नहीं पाए। ममता बनर्जी ने न सिर्फ ईडी के खिलाफ मोर्चा खोला है बल्कि वे पहले सीबीआई से भी टकरा चुकी हैं। केंद्रीय एजेंसियों से उनका टकराव कई बार अदालतों तक भी पहुंचा है। ममता का आरोप है कि विपक्ष को परेशान करने के लिए बेवजह केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ईडी, सीबीआई जैसी केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल करती है। हालांकि बंगाल में कई मंत्री और नेताओं को सेंट्रल एजेंसियों ने भ्रष्टाचार के आरोपों में न सिर्फ गिरफ्तार किया, बल्कि छापों के दौरान उनके और करीबियों के घरों से भारी नकदी और अकूत संपत्ति के दस्तावेज भी बरामद-जब्त किए। इसी महीने (जनवरी 2026) में ईडी ने इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमिटी (आई-पैक) के दफ्तर समेत कई अन्य ठिकानों पर छापेमारी की। राजनीतिक दलों के लिए आई-पैक चुनावी रणनीति बनाती है। 2019 से आई-पैक टीएमसी के लिए चुनावी रणनीति बनाने का काम कर रही है।

केरल के जायज़ ...

पी. श्रीकुमारन

प्रधानमंत्री के केरल दौरे से भाजपा को ज़्यादा राजनीतिक फ़ायदा नहीं हुआ

कोई बड़ा ऐलान करने के बजाय, प्रधानमंत्री ने इस मौके का इस्तेमाल एक राजनीतिक भाषण देने के लिए किया, जिसमें उन्होंने वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) दोनों पर हमला बोला। मोदी ने कहा कि अब समय आ गया है कि उन दोनों मोर्चों को हटा दिया जाए जिन्होंने खराब प्रशासन, कुप्रबंधन और भ्रष्टाचार से राज्य को बर्बाद कर दिया है। वह आए, उन्होंने देखा, और वह वापस चले गए। मोटे तौर पर शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम के संक्षिप्त दौरे का यही सार है। यह दौरा भाजपा के केरल नेतृत्व द्वारा जताई गई बड़ी उम्मीदों से बहुत कम रहा। मोदी आएंगे और केरल के फ़ायदे के लिए बड़े ऐलान करेंगे, जिसमें तिरुवनंतपुरम कॉर्पोरेशन के लिए एक विकास योजना भी शामिल है, जहां पहली बार भाजपा का मेयर है। केरल में भाजपा के शीर्ष नेताओं की यही बड़ी-बड़ी बातें थीं। ऐसा कुछ नहीं हुआ। राज्य के लिए बहुप्रतीक्षित एम्स पर कोई ऐलान नहीं हुआ। प्रधानमंत्री हाई-स्पीड रेल प्रोजेक्ट पर भी चुप रहे। केंद्र सरकार पर केरल के 5,738 करोड़ रुपये के बकाए पर भी चुप्पी साध ली गई, जो बहुत ज़्यादा थी। संक्षेप में कहें तो, यह दौरा राज्य की जनता के लिए निराशाजनक रहा। कोई बड़ा ऐलान करने के बजाय, प्रधानमंत्री ने इस मौके का इस्तेमाल एक राजनीतिक भाषण देने के लिए किया, जिसमें उन्होंने वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) दोनों पर हमला बोला। मोदी ने कहा कि अब समय आ गया है कि उन दोनों मोर्चों को हटा दिया जाए जिन्होंने खराब प्रशासन, कुप्रबंधन और भ्रष्टाचार से राज्य को बर्बाद कर दिया है। केरल को अब तेज़ विकास के लिए डबल-इंजन सरकार की ज़रूरत है। उन्होंने कहा कि सबरीमाला- एक बयान जो तथ्यात्मक रूप से गलत है - अयप्पा मंदिर में एलडीएफ सरकार के तहत सोने की चोरी हुई थी। 'यह मोदी की गारंटी है कि अगर भाजपा सत्ता में आई तो इसमें शामिल लोगों को पकड़ा जाएगा और सज़ा दी जाएगी।' मोदी ने कांग्रेस की भी आलोचना करते हुए कहा कि कांग्रेस अब राष्ट्रीय स्तर पर मुस्लिम लीग माओवादी कांग्रेस के नाम से जानी जाती है, और वह केरल में 'अलगाववादी ताकतों' के साथ गठबंधन कर रही है। यह भाषण उनके ही पिछले बयानों के खिलाफ़ है कि विकास के मामले में कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए। इसका मतलब यह था कि गैर-भाजपा सरकारों को केंद्र से किसी भी बड़ी मदद की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। यह सहकारी संघवाद की अवधारणा के खिलाफ़ है जबकि भाजपा नेता दिन-रात सहकारी संघवाद का ढोल पीटते रहते हैं। केरल के मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री का स्वागत करते हुए एक छोटा भाषण दिया। उन्होंने इस मौके पर घोषित किए गए चार परियोजनाओं के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री केरल की 'असली मांगों' को भी हरी झंडी देंगे। प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री के साथ विनम्रता से बात की।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

सुभाष शिरढोनकर

नागजिला' के विलेन होंगे रवि किशन

कार्तिक आर्यन की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'नागजिला' का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे है। करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन व्दारा निर्मित कार्तिक आर्यन की इस फिल्म 'नागजिला' को मृगदीप सिंह लांबा डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म में कार्तिक आर्यन पहली बार एक इच्छाधारी नाग के किरदार में नजर आने वाले हैं। हाल ही में इस फिल्म में विलेन के किरदार के लिए मेकर्स ने भोजपुरी और हिंदी फिल्मों के एक्टर रवि किशन के नाम का एलान किया है। निश्चित तौर पर कहा जा सकता है कि इस फिल्म में कार्तिक आर्यन और रवि किशन की ऑन-स्क्रीन टक्कर दर्शकों के लिए एक नया रोमांच लेकर आने वाली है। कहा जा रहा है कि कार्तिक आर्यन की तरह रवि किशन का किरदार भी फिल्म के लिए बेहद खास होने वाला है। मेकर्स का दावा है कि रवि किशन इस किरदार के लिए एक दम सही चोइस साबित होने वाले हैं। 17 जुलाई 1969 को उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले के केराकत तहलीस के छोटे से गांव वराई विसुई में पंडित श्याम नारायण शुक्ला व श्रीमती जड़ावती देवी के घर पैदा हुए रविन्द्र नाथ शुक्ला जिन्हैं आज एक्टर रवि किशन के तौर पर जाना जाता है, सिर्फ भोजपुरी सिनेमा के ही नहीं बल्कि बॉलीवुड से लेकर साउथ तक की सभी भाषाओं में बनने वाली फिल्मों के पॉपुलर एक्टर हैं। रवि किशन को फिल्म इंडस्ट्री में काम करते हुए तीस साल से अधिक समय हो चुका है। उन्होंने अपने दम पर फिल्म इंडस्ट्री में नाम कमाया है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश के गोरखपुर से वे भाजपा सांसद भी हैं। रवि किशन बचपन में गांव में मंचित होने वाली 'रामलीला' में माता सीता का रोल निभाते थे। एक्टर बनने की चाह के साथ जब रवि अपनी मा से 500 रुपये लेकर मुंबई आए तब यहां की फिल्म इंडस्ट्री में काम पाने के लिए उन्हैं काफी स्ट्रगल करना पड़ा। हिंदी फिल्म 'पिताम्बर' (1992) के जरिए रवि किशन को पहली बार कैमरा फेस करने का अवसर मिला। उसके बाद उन्हैं हिंदी, तेलुगु, कन्नड़, तमिल, इंग्लिश, मराठी और गुजराती फिल्मों में छोटे छोटे रोल मिलने लगे। स्ट्रगल के दौरान रवि किशन के जीवन में प्रीति किशन गगर का आगमन हुआ। दोनों ने साल 1993 में शादी कर ली। शादी के बाद दोनों की सामुहिक किस्मत के गठजोड़ ने रवि को अवसर और कामयाबी के रास्ते पर प्रशस्त करने का काम किया। कई हिंदी फिल्मों का निर्माण कर चुके निर्देशक मोहनजी प्रसाद ने जब भोजपुरी फिल्म निर्माण करने का फैसला किया तो रवि किशन को अपनी पहली फ़िल्म 'सैयां हमार' (2003) में बतौर हीरो लांच किया। इस फ़िल्म ने ना सिर्फ बरसो से शांत पड़ी भोजपुरी फ़िल्म जगत को जिंदा किया बल्कि इसके साथ ही उदय हुआ भोजपुरी के नए सुपर स्टार रवि किशन का । इस के बाद रवि किशन अब तक 200 से अधिक भोजपुरी फिल्मो में काम कर चुके है। आज रवि किशन की लोकप्रियता ना सिर्फ भोजपुरी और हिंदी भाषी दर्शको के बीच है बल्कि दक्षिण भारत के दर्शको में भी वे उसी तरह लोकप्रिय हैं और यही वजह है कि दुनिया के कोने कोने में उनके लाखो करोड़ो चाहने वाले है। रवि किशन 'बिग बॉस' के पहले सीजन में बतौर कंटेस्टेंट नजर आए थे।

भाषा का उपयोग

भाषा का उपयोग और अभिव्यक्ति का साधन भाषा है और शब्दों का चयन भाषा को सुसंस्कारित बनाती है। हमारे जीवन में शरीर और आत्मा ये दो तत्त्व हैं । इन दोनों के सिवाय कुछ भी नहीं हैं । हालांकि भाषा और मन आदि भी होते हैं । मूलतः आत्मा और पुद्गल का बहुत योग हैं । हम यदि इसके विस्तार में जाएँ तो धर्मास्तिकाय आदि छह द्रव्य भी हमारे जीवन में हैं । जहाँ छह द्रव्य हैं वहाँ लोक हैं । इन द्रव्यों को संक्षेप में कहा जाए तो जीव और अजीव- ये दो तत्त्व ही इस लोक में हैं । हमारे जीवन में शरीर और आत्मा इन दोनों का मिश्रित रूप हैं । इसी मिश्रित रूप से हमारे जीवन में भाषा, मन,पर्याप्ति, प्राण आदि अनेक स्थितियाँ हैं । भाषा एक ऐसा माध्यम हैं जिसके द्वारा मनुष्य अपने विचार व्यक्त करता हैं । अभिव्यक्ति का साधन भाषा है । वह शब्दों का चयन भाषा को सुसंस्कारित बनाती है। मनुष्य में विशेष गुण भाषा का विकास है। अक्षर और शब्दों का ज्ञान अन्य प्राणी अपने भाव अभिव्यक्त कर नहीं कर सकता हैं । अतः भाषा का, शब्दों का हम समुचित प्रयोग करें। स्तुति,स्त्वना, मंत्र- जप आदि में इसका सही से हम उपयोग करे । हमारे द्वारा भाषा न होने से विचारों के संप्रेषण में असुविधा हो सकती हैं । यदि भाषा विवेकपूर्ण हो तो इसके द्वारा अनेक लोगों का कल्याण किया जा सकता हैं । समस्याओं का समाधान भी किया जा सकता हैं । आध्यात्मिक ज्ञान भी दिया जा सकता हैं । यह भाषा का उजला पक्ष हैं । भाषा का दूसरा पक्ष अंधेरा भी हैं जिसे बोलकर झगड़ा, दूसरों को फँसाना आदि कार्य भी किए जा सकतें हैं । हम बोलने में तीन बातों का ध्यान रखें तो भाषा का विवेकपूर्ण उपयोग हो सकता हैं । पहला - मित भाषा, अर्थात् अनावश्यक न बोले, दूसरा दोषरहित बोलना, और तीसरा विचारपूर्ण बोलना । मनुष्य ऐसा प्राणी है जिसके पास व्यक्त भाषा है । वह उसको बोलने की क्षमता प्राप्त है । हम अपनी बात को स्पष्टता से दूसरों तक पहुंचा सकते हैं। कला पूर्ण बोलना वक्तृत्व कला हर मनुष्य में नहीं होती हैं । बोलने और न बोलने का विवेक जहां बोलने की अपेक्षा नहीं वहां बोला जाए और जहां अपेक्षा हो वहां मौन कर लिया जाए, यह दोनों ही अनुचित है। सत्य बोलना, मीठा बोलना, (कम शब्दों में) सारगर्भित बोलना आदि - आदि काम्य हैं । आओ हम जीना सीखें पुस्तक में गुरुदेव महाश्रमण जी लिखते हैं मौन करना अच्छा है किंतु अनावश्यक न बोलने का संकल्प उससे भी अधिक अच्छा है । और यह 24 घंटे रखा जा सकता है इससे व्यवहार भी नहीं रुकता और सहज मौन सघ जाता है।पहले तोलो फिर बोलो यह सूक्ति व्यक्ति को चिंतन पूर्वक बोलने की दिशा में प्रेरित करती है। चिंतन पूर्वक बोलने वाले व्यक्ति की मितभाषिता, मधुर भाषिता, सत्यभाषिता समीक्ष्यभाषिता आदि स्वतः सध जाती है , बोलने की कला के इन चार सूत्रों पर ध्यान केंद्रित करने वाले व्यक्ति का बोलना कलापूर्ण हो सकता है, जो एक आदर्श व्यक्ति की पहचान हो सकती है। प्रियवाक्य प्रदानेन ,सर्वे तुष्यन्ति मानवाः। तस्मात् तदेव वक्तव्यं, वचने का दरिद्रता। मीठा बोलना जो एक वशीकरण मंत्र है। इसका उपयोग कोयल को कौए से अलग करता है। मनुष्य में विशेष गुण भाषा का विकास है । अक्षर और शब्दों का ज्ञान अन्य प्राणी अपने भाव अभिव्यक्त नहीं कर सकता हैं । अतः भाषा का, शब्दों का हम समुचित प्रयोग करें ।स्तुति,स्त्वना, मंत्र- जप आदि में हम उपयोग करे । हम किसी का दिल दुःखे ऐसी भाषा का वियोग करें । अतः हमारी भाषा उत्तम रहनी चाहिए । यही हमारे लिए काम्य हैं ।

> प्रदीप छाजेड़

साउथ अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को 8 विकेट से हराया

टी-20 सीरीज में 1-0 की बढ़त, ऐडन मार्करम ने नाबाद 86 रन बनाए

पार्ल। तीन मैचों की टी-20 सीरीज के पहले मुकाबले में साउथ अफ्रीका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए वेस्टइंडीज को 8 विकेट से करारी शिकस्त दी। कप्तान ऐडन मार्करम की नाबाद और आक्रामक 86 रन की पारी की बदौलत अफ्रीकी टीम ने 174 रन का लक्ष्य महज 17.5 ओवर में हासिल कर लिया। इस जीत के साथ ही साउथ अफ्रीका ने सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 174 रन बनाए। कैरेबियाई बल्लेबाजों ने अच्छी शुरुआत की, लेकिन बीच के ओवरों में साउथ अफ्रीकी गेंदबाजों ने सटीक गेंदबाजी करते हुए रन गति पर अंकुश लगा दिया। हालांकि अंतिम ओवरों में तेज बल्लेबाजी के दम पर टीम सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचने में सफल रही। जवाबी पारी में लक्ष्य का पीछा करने उतरी साउथ अफ्रीका की टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। सलामी बल्लेबाजों ने पहले

विकेट के लिए मजबूत साझेदारी कर टीम को अच्छी स्थिति में पहुंचा दिया। इसके बाद कप्तान ऐडन मार्करम ने मोर्चा संभालते हुए वेस्टइंडीज के गेंदबाजों पर दबाव बनाए रखा। मार्करम ने अपनी नाबाद 86 रन की पारी में आकर्षक चौकों और छक्कों की बरसात की। उन्होंने संयम और आक्रामकता का बेहतरीन संतुलन दिखाते हुए टीम को जीत की दहलीज तक पहुंचाया। उनके अलावा अन्य बल्लेबाजों ने भी उपयोगी योगदान देकर लक्ष्य को आसान बना दिया। साउथ अफ्रीका ने केवल 2 विकेट गंवाकर 13 गेंद शेष रहते मुकाबला अपने नाम कर लिया।

18 महीने बाद टी-20 इंटरनेशनल में मार्करम का सबसे बड़ा स्कोर

पिछले डेढ़ साल से टी-20 फॉर्मेट में संघर्ष कर रहे ऐडन मार्करम इस मैच में पुरानी लय में नजर आए। उन्होंने 9 चौके और 3 छक्कों की मदद से 86 रन की नाबाद पारी खेली। यह उनका टी-20 इंटरनेशनल करियर का सर्वोच्च स्कोर है। मैच के 14वें ओवर में हेटमायर ने केशव महाराज के ओवर में 102 मीटर लंबा छक्का जड़ा। इस ओवर में 16 रन आए। महाराज ने अपने 4 ओवर में 44 रन दिए, जो उनके टी-20 करियर का सबसे महंगा स्पेल रहा।

वेस्टइंडीज की पारी: हेटमायर-पॉवेल की वापसी कोशिश

वेस्टइंडीज की ओर से ब्रैंडन किंग ने 14 गेंदों में 23 रन बनाए, लेकिन केशव महाराज ने जॉनसन चार्ल्स और किंग को आउट कर टीम को दबाव में डाल दिया। एक समय टीम ने 95 रन पर 5 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद शिमरोन हेटमायर (48 रन) और रोवमैन पॉवेल ने छठे विकेट के लिए 74 रन जोड़कर स्कोर 174 तक पहुंचाया।

शिमरोन हेटमायर (48 रन) और रोवमैन पॉवेल ने छठे विकेट के लिए 74 रन जोड़कर स्कोर 174 तक पहुंचाया।

पहले विकेट के लिए 83 रन की साझेदारी

लक्ष्य का पीछा करने उतरी साउथ अफ्रीका को मार्करम और लुहान-ड्रे प्रिटोरियस (23 रन) ने तेज शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 83 रन की साझेदारी हुई। इसके बाद नंबर-3 पर उतरे रयान रिकेलटन ने 40 रन की नाबाद पारी खेली। मार्करम और रिकेलटन के बीच दूसरे विकेट के लिए 93 रन की अटूट साझेदारी रही। मैच के बाद कप्तान ऐडन मार्करम ने टीम के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि खिलाड़ियों ने रणनीति के अनुसार खेल दिखाया और दबाव की स्थिति में भी संयम बनाए रखा। उन्होंने उम्मीद जताई कि टीम आने वाले मुकाबलों में भी इसी लय को बरकरार रखेगी।

इस सीरीज में नंबर-3 पर आजमाए गए रयान रिकेलटन ने 40 रन की नाबाद पारी खेली। यह उनके पिछले 6 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में सबसे बड़ा स्कोर है। टॉप ऑर्डर के प्रदर्शन के चलते साउथ अफ्रीका के मिडिल ऑर्डर को बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला।

रूट-ब्रूक की सेंचुरी से इंग्लैंड ने सीरीज 2-1 से जीती

श्रीलंका को 53 रन से हराया, पवन रथनायके का पहला वनडे शतक

कोलंबो, एजेंसी

जो रूट और हैरी ब्रूक के शतकों की बदौलत इंग्लैंड ने श्रीलंका को तीसरे वनडे में 53 रन से हराकर सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। मुकाबला कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में खेला गया। पहला वनडे श्रीलंका ने 19 रन से जीता था, जबकि दूसरे वनडे में इंग्लैंड ने 5 विकेट से जीत दर्ज की थी। निर्णायक मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने 50 ओवर में 3 विकेट पर 357 रन बनाए। कप्तान हैरी ब्रूक ने नाबाद 136 रन की शानदार पारी खेली, जबकि जो रूट 111 रन बनाकर नाबाद लौटे। दोनों बल्लेबाजों ने चौथे विकेट के लिए 191 रन की मैच जिताऊ साझेदारी की। 358 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की टीम 46.4 ओवर में 304 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम की ओर से पवन रथनायके ने पहला वनडे शतक लगाते हुए सबसे ज्यादा 121 रन बनाए, लेकिन वह टीम को जीत दिलाने में नाकाम रहे। ओपनर पथुम निसांका ने 50 रन की पारी खेली। टॉस

जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। ओपनर बेन डकेट सिर्फ 7 रन बनाकर पवेलियन लौट गए, जबकि रेहान अहमद 24 रन ही जोड़ सके। शुरुआती ओवरों में श्रीलंकाई गेंदबाजों ने सटीक लाइन-लेंथ के साथ दबाव बनाया, जिससे 11 ओवर के भीतर इंग्लैंड ने 2 विकेट गंवा दिए। इस समय टीम का स्कोर 40/2 था और मैच पर श्रीलंका की पकड़ मजबूत दिख रही थी। जैकब बेथेल के आउट होते ही कप्तान हैरी ब्रूक ने तेजी से खेलना शुरू किया। ब्रूक ने स्पिन और तेज, दोनों तरह के गेंदबाजों पर आक्रामक शॉट खेले और मैदान के हर हिस्से में रन बटोरे।

फास्ट न्यूज

इगा स्वियातेक ऑस्ट्रेलियन ओपन से बाहर

मुबंई। "साल के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन में बुधवार को बड़े उलटफेर देखने को मिले। महिला सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान की एलिना रायबकिना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी इगा स्वियातेक को सीधे सेटों में 7-5, 6-1 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। इस हार के साथ ही पोलैंड की स्वियातेक का करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने का सपना अधूरा रह गया।

'बैटल ऑफ गलवान' के सेट पर लौटे सलमान

फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' के टीजर जारी होने के बाद अब सलमान खान एक बार फिर फिल्म के सेट पर लौटे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म के पैचवर्क पर काम किया जाएगा। इस दौरान एक्शन के साथ कुछ नए सीन की शूटिंग होनी है। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के अनुसार सलमान खान, डायरेक्टर अपूर्व लाखिया और पूरी टीम 'बैटल ऑफ गलवान' के लिए पैचवर्क शूटिंग में जुट गई है। इस दौरान वे कुछ नए सीन शूट कर रहे हैं, जिनमें धांसू एक्शन सीक्वेंस भी शामिल हैं। ये 15 दिनों का शेड्यूल पहले से तय था। टीम फिल्म को परफेक्ट बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रही। मेकर्स को पूरा यकीन है कि 'बैटल ऑफ गलवान' 17 अप्रैल की तय रिलीज से काफी पहले रेडी हो जाएगी। फिल्म का पहला ट्रैक 'मातृभूमि' 24 जनवरी को ही लॉन्च हो चुका है।

मारुति सुजुकी का अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में मुनाफा 4% बढ़ा

मुंबई। ऑटोमोबाइल कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में 49,891 करोड़ रुपए की कुल कमाई की। यह पिछले साल के मुकाबले 29% बढ़ी है। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी ने 38,752 करोड़ रुपए की कमाई की थी। इसी तिमाही में कंपनी ने 6.67 लाख कारें बेचीं। टैक्स, कच्चे माल की कीमत जैसे खर्चे निकाल दें तो कंपनी के पास 3,794 करोड़ रुपए शुद्ध मुनाफे (नेट प्रॉफिट) के रूप में बचे।

मेट्रो विवाद पर वरुण धवन की टीम की सफाई

हैंडल से लटकने पर मेट्रो एथॉरिटी ने दी थी चेतावनी

मुबंई। बॉर्डर 2 में नजर आ रहे एक्टर वरुण धवन मुंबई मेट्रो से सामने आए एक वीडियो से विवादों में घिर गए। दरअसल, वीडियो में एक्टर मेट्रो के ओवरहेड रॉड में पुश-अप करते दिखे थे, जिसके बाद मेट्रो एथॉरिटी ने वीडियो जारी कर इसे दंडनीय अपराध कहा था। अब इस विवाद पर वरुण धवन की टीम ने सफाई देते हुए कहा है कि एक्टर पर किसी तरह का जुर्माना नहीं लगाया गया है। वरुण धवन की टीम ने आधिकारिक स्टेटमेंट में कहा, हम वरुण धवन और मुंबई मेट्रो को लेकर आई हालिया खबरों पर स्पष्टीकरण देना चाहते हैं। हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि वरुण पर किसी भी तरह का कोई जुर्माना या दंड नहीं लगाया गया है। अधिकारियों द्वारा किया गया पहले का पोस्ट हटा लिया गया है और इस गलतफहमी को दूर करने में उनके सहयोग के लिए हम उनका धन्यवाद करते हैं। वरुण शहर के

नियमों और मेट्रो विभाग की कोशिशों का पूरा सम्मान करते हैं। यह वीडियो आपकी एक्शन फिल्मों में दिखने वाले डिस्क्लेमर के साथ आना चाहिए था, वरुण धवन- 'महा मुंबई मेट्रो में इसे आजमाने की कोशिश न करें।' हम समझते हैं, दोस्तों के साथ मेट्रो में घूमना-फिरना अच्छा लगता है, लेकिन जो पकड़ने वाले हैंडल होते हैं, वे लटकने के लिए नहीं होते। इस तरह के काम उपद्रव फैलाने या संपत्ति को नुकसान पहुंचाने से जुड़े प्रावधानों के तहत दंडनीय हैं।

अरिजीत सिंह ने छोड़ी प्लेबैक सिंगिंग

कहा- इसे खत्म कर रहा हू, अब इंटरनेशनल प्रोजेक्ट्स पर करेंगे काम

मुबंई। पॉपुलर सिंगर अरिजीत सिंह ने प्लेबैक सिंगिंग से संन्यास ले लिया है। उन्होंने मंगलवार को सोशल मीडिया के जरिए इसकी आधिकारिक घोषणा की है। नमस्ते, आप सभी को नए साल की हार्दिक शुभकामनाएं। इतने सालों से श्रोताओं के रूप में मुझे जो इतना प्यार दिया है, उसके लिए आप सबका धन्यवाद। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि अब से मैं एक प्लेबैक सिंगर के तौर पर कोई भी नया काम नहीं लूंगा। मैं इसे यहीं खत्म कर रहा हूं। यह एक शानदार सफर रहा। प्लेबैक सिंगिंग में गानों की रिकॉर्डिंग स्टूडियो में होती है। बाद में इसे फिल्मों में एक्टर-एक्ट्रेस पर फिल्माया जाता है। यानी आवाज सिंगर की होती है, एक्टर-एक्ट्रेस इस पर लिप्सिंग करते हैं। अरिजीत सिंह ने सलमान खान की फिल्म सुल्तान के लिए गाना गाया था, लेकिन कुछ दिनों बाद ही फिल्म से उनका गाना हटा दिया गया। खबर मिलने के बाद अरिजीत सिंह ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर सलमान से माफी मांगी और विनती की कि उनका गाना फिल्म से न हटाया जाए।

> अरिजीत सिंह के करीबी और सयोनी गाने के कंपोजर अंजन भट्टाचार्य ने से बातचीत में कहा कि अरिजीत ने यह फैसला जल्दबाजी में नहीं लिया गया है। उन्होंने लंबे समय तक विचार किया और अब उन्हें लगता है कि यही सही समय है। वे अपने फैंस के प्यार और सपोर्ट के लिए हमेशा आभारी रहेंगे और भविष्य में नए अंदाज में उनसे जुड़ते रहेंगे। कंपोजर ने अरिजीत सिंह के फ्यूचर प्रोजेक्ट्स पर भी बात की है।

सलमान खान से हुआ विवाद, सुल्तान फिल्म से हटाए गए

साल 2014 के गिल्ड अवॉर्ड में सिंगर अरिजीत सिंह गाने- क्योंकि तुम ही हो... के लिए अवॉर्ड लेने पहुंचे थे। इस समय सलमान खान और रितेश देशमुख स्टेज पर मौजूद थे, जो लगातार सिंगर से मजाक कर रहे थे। मंच पर आकर अरिजीत ने कहा, 'आप लोगों ने सुला दिया।' इस पर सलमान ने कहा था, 'इसमें हमारा कोई दोष नहीं है, ऐसे गाने (तुम ही हो) बजते रहेंगे तो ऑडियंस सोएगी ही।' अरिजीत बिना जवाब दिए स्टेज से उतर गए, लेकिन उनके बाद इसी गाने 'तुम ही हो' के लिए बेस्ट लिरिक्स का अवॉर्ड लेने पहुंचे मिथुन ने अरिजीत की बेइज्जती का जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'तुम ही हो गाने ने लोगों को सुलाया नहीं, जगाया है।'

> इस पर सलमान ने फिर मजाकिया अंदाज में जवाब दिया, 'अरे आपके सिंगर सोते-सोते आए हैं।' जवाब में मिथुन ने कहा, 'अरिजीत ने बहुत सब्र से गाया है और ये सब्र म्यूजिक इंडस्ट्री की जरूरत है।' पहले तो सलमान मिथुन की पैंट पर चिपका हुआ एक कागज का टुकड़ा निकालते हैं और उनका भी मजाक बनाते हैं।

ईयू से डील का भारत को ज्यादा फायदा : जैमीसन ग्रीर

यूरोप के बाजार तक पहुंच मिलेगी, टेलीग्राफ ने लिखा- मोदी व्यापार समझौते के असली विजेता

वॉशिंगटन, एजेंसी

भारत और यूरोपीय यूनियन (EU) के बीच हुए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (FTA) पर अमेरिकी ट्रेड अधिकारी जैमीसन ग्रीर ने कहा है कि इस समझौते का सबसे बड़ा फायदा भारत को मिलने वाला है। उनके मुताबिक, यह डील कई मायनों में भारत के पक्ष में झुकी हुई है। ग्रीर ने फॉक्स बिजनेस को दिए इंटरव्यू में कहा कि समझौते के लागू होने के बाद भारत को यूरोपीय बाजार में ज्यादा पहुंच मिलेगी और कुल मिलाकर भारत टॉप पर रहेगा। उन्होंने कहा, उनका कहना है कि इस डील के तहत भारतीय प्रोफेशनल्स और वर्कर्स को यूरोपीय देशों में काम करने के ज्यादा मौके मिल सकते हैं। उनके मुताबिक, भारत इस ट्रेड डील से बड़े पैमाने पर फायदा उठाने वाला है। ग्रीर ने यह भी कहा कि इस समझौते से भारतीय कंपनियों को यूरोप में व्यापार बढ़ाने का बड़ा मौका मिलेगा। इसके बावजूद भारत एक ऐसा देश बनकर उभरा है जो रूस, EU, चीन और अमेरिका

सभी से एक साथ व्यापार कर रहा है। अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने EU पर ही खुद के खिलाफ युद्ध को फंड करने का आरोप लगाया है। EU का मानना है कि अमेरिका के कड़े टैरिफ और उसकी आक्रामक नीति ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार नियमों को कमजोर किया है। ऐसे में यूरोप भारत जैसे बड़े बाजार की ओर तेजी से बढ़ा है। इसके चलते EU पर आरोप लग रहे हैं कि उसने भारत की रूस से तेल खरीद को नजरअंदाज किया है। भारत में अब यूरोप से इम्पोर्ट होने वाली कारें सस्ती हो जाएंगी। भारत सरकार ने यूरोप से आने वाली कारों पर लगने वाले इम्पोर्ट ड्यूटी को 110% से घटाकर 10% कर दिया है। हालांकि, सरकार ने इसके लिए 2.5 लाख गाड़ियों की सालाना लिमिट तय की है। ये फैसला भारत और यूरोपियन यूनियन के बीच हुए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट का हिस्सा है।

> ग्रीर ने कहा, ऐसा लगता है कि समझौते में कुछ इमिग्रेशन राइट्स भी दिए जा सकते हैं। मुझे अभी पूरी जानकारी नहीं है, लेकिन एव की राष्ट्रपति उर्सुला वॉन डर लेयेन पहले ही भारतीय वर्कर्स की यूरोप में मोबिलिटी की बात कर चुकी हैं।

ग्रीर बोले- सख्त अमेरिकी ट्रेड नीति से ईयू नए बाजार ढूंढ रहा

ग्रीर ने यह भी कहा कि भारत-EU फ्री ट्रेड डील का एक बड़ा कारण अमेरिका की बदलती व्यापार नीति है। उनके मुताबिक, अमेरिका अब घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को प्राथमिकता दे रहा है। साथ ही दूसरे देशों को अमेरिकी बाजार तक आसानी से पहुंच नहीं दे रहा। ग्रीर ने बताया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कार्यकाल में घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया और विदेशी देशों से आने वाले सामान पर शुल्क जैसे कदम उठाए गए। इससे कई देश, खासकर यूरोपीय यूनियन, अपने उत्पाद बेचने के लिए नए बाजार तलाशने लगे हैं।

ट्रेड डील से असली विजेता बने पीएम मोदी

ब्रिटिश अखबार द टेलीग्राफ ने लिखा है कि यूरोपियन कमीशन FTA को अपनी बड़ी जीत बता रहा है, लेकिन हकीकत में इस समझौते के सबसे बड़े विजेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी माने जा रहे हैं। यूरोपियन यूनियन ने इस समझौते के लिए भारत और रूस की करीबी दोस्ती को नजरअंदाज कर दिया है। पीएम मोदी की रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से नजदीकी जगजाहिर है।

इराक में अपनी पसंद का पीएम चाहते हैं ट्रम्प

कहा- नूरी-मलिकी को फिर प्रधानमंत्री बनाया तो कोई मदद नहीं करेंगे

बगदाद, एजेंसी

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चेतावनी दी है कि अगर इराक पूर्व प्रधानमंत्री नूरी अल-मलिकी को फिर से प्रधानमंत्री बनाता है, तो अमेरिका इराक से अपना समर्थन वापस ले लेगा। ट्रम्प ने अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर पोस्ट में लिखा, मैं सुन रहा हूं कि महान देश इराक बहुत गलत फैसला ले सकता है और नूरी अल-मालिकी को फिर से प्रधानमंत्री बना सकता है। उन्होंने कहा कि मलिकी के पिछले कार्यकाल में इराक गरीबी और हिंसा में डूब गया था। ऐसा दोबारा नहीं होने देना चाहिए। ट्रम्प ने आगे कहा कि मलिकी की नीतियां और विचारधारा पागलों वाली है। अगर वे चुने गए, तो अमेरिका इराक की मदद नहीं करेगा। बिना अमेरिकी सहायता के इराक के पास सफलता, समृद्धि या आजादी की कोई संभावना नहीं रहेगी। मलिकी इराक के

इस्लामिक पार्टी के लंबे समय से नेता रहे हैं। वे 2006 से 2014 तक इराक के प्रधानमंत्री रहे, जो पोस्ट-सद्दाम हुसैन युग में सबसे लंबा कार्यकाल है। उन्होंने दो टर्म पूरे किए। 2003 में अमेरिका के नेतृत्व में सद्दाम हुसैन की सत्ता समाप्त होने के बाद इराक में अराजकता और संप्रदायिक हिंसा बढ़ गई थी। 2006 में इब्राहिम अल-जाफरी के इस्तीफे के बाद मलिकी को समझौते के तौर पर प्रधानमंत्री चुना गया। शुरुआत में उन्होंने राष्ट्रीय एकता सरकार बनाई, जिसमें शिया, सुन्नी और कुर्द शामिल थे।

बढ़ोतरी : 28 दिन में ₹1.31 लाख महंगी हुई, सोना ₹4,926 हजार महंगा, ₹1.63 लाख पर पहुंचा

चांदी दो दिन में ₹44,116 बढ़ी, ₹3.61 लाख/केजी पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी

चांदी और सोने के दाम इस महीने लगातार तेजी के साथ बढ़ रहे हैं और तीसरे दिन भी नए रिकॉर्ड बनाए हैं। 29 जनवरी को चांदी की कीमतों में 17,257 रुपए की बढ़ोतरी हुई और एक किलो चांदी की कीमत 3,61,821 रुपए तक पहुंच गई। यह जानकारी इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) ने दी है। विशेषज्ञों का कहना है कि सिर्फ दो दिन में चांदी की कीमत में 44,116 रुपए का इजाफा हुआ है। इससे पहले शुक्रवार को चांदी का भाव 3,17,705 रुपए प्रति किलो था। इस साल अब तक केवल 28 दिन में ही चांदी की कीमत 1.31 लाख रुपए बढ़ चुकी है, जो निवेशकों और ज्वेलर्स दोनों

के लिए चुनौती और अवसर दोनों है। सोने की कीमतों में भी लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 4,926 रुपए बढ़कर 1,63,827 रुपए पर पहुंच गया। दो दिन में सोने का भाव 9,517 रुपए महंगा हुआ है। 23 जनवरी को 10 ग्राम सोने का भाव 1,54,310 रुपए था। विशेषज्ञों के अनुसार, वैश्विक स्तर पर सोने और चांदी की कीमतों में उछाल, विदेशी निवेश और डॉलर के मुकाबले रुपए की कमजोरी का असर भारतीय बाजार पर देखा जा रहा है। इसके अलावा, मांग और सप्लाई की स्थिति भी कीमतों को बढ़ा रही है। ज्वेलर्स का कहना है कि इस तेजी के चलते ग्राहक खरीदारी में सतर्कता बरत रहे हैं, जबकि निवेशक इस समय सोने और चांदी में निवेश को एक अवसर के रूप में देख रहे हैं।

चांदी में तेजी के 3 प्रमुख कारण

- इंडस्ट्रियल डिमांड- सोलर, इलेक्ट्रॉनिक्स और ईवी में भारी इस्तेमाल, चांदी अब सिर्फ ज्वेलरी नहीं, जरूरी कच्चा माल बन गई है।
- ट्रंप का टैरिफ डर - अमेरिकी कंपनियां चांदी का भारी स्टॉक जमा कर रही हैं, ग्लोबल सप्लाई में कमी से कीमतें ऊपर चढ़ीं।
- मैन्युफैक्चरर होड़ में - प्रोडक्शन रुकने के डर से सभी पहले से खरीद रहे हैं, इसी वजह से आने वाले महीनों में भी तेजी बनी रहेगी।

28 दिन में सोना ₹30,632 और चांदी ₹1,31,401 महंगी हुई

इस साल जनवरी के 28 दिन में ही चांदी 1,31,401 रुपए महंगी हो गई है। 31 दिसंबर 2025 को एक किलो चांदी की कीमत 2,30,420 रुपए थी, जो अब 3,61,821 रुपए प्रति किलो पहुंच गई है। वहीं सोने की कीमत 30,632 रुपए बढ़ चुकी है। 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,33,195 रुपए का था, जो अब 1,63,827 रुपए हो गया है।

सेंसेक्स दिन के ऊपरी स्तर से 650 अंक गिरा

मुंबई। शेयर बाजार में आज यानी 28 जनवरी (बुधवार) को उतार-चढ़ाव देखने को मिला। अभी सेंसेक्स 80 अंक चढ़कर 81,950 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी करीब 50 अंक की तेजी के साथ 25,200 के स्तर के आस-पास कारोबार कर रहा है। वहीं कारोबार के दौरान सेंसेक्स अपने दिन के ऊपरी स्तर से करीब 650 अंक गिरा और निफ्टी भी डे हाई से 185 अंक गिरा है। कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 82,503 का और निफ्टी ने 25,372 का हाई बनाया था। FMCG, ऑटो, IT और फार्मा सेक्टर में 1.5% तक की गिरावट देखने को मिल रही है। वहीं ऑयल एंड गैस, मीडिया, मेटल, प्राइवेट बैंक और रियल्टी सेक्टर में 3% तक की तेजी है। सेंसेक्स 30 में से 21 शेयरों में तेजी और 9 में गिरावट देखने को मिल रही है। जोमैटो, BEL और बजाज फाइनेंस के शेयरों में 5% तक की तेजी है। वहीं एशियन पेंट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर और सन फार्मा के शेयर्स में 5% तक की गिरावट देखने को मिल रही है। शेयर बाजार यानी 27 जनवरी (मंगलवार) को तेजी के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स 319 चढ़कर 81,857 के स्तर पर बंद हुआ।

दूसरा नौसैनिक बेड़ा ईरान की ओर बढ़ रहा : ट्रम्प

नए समझौते पर सहमति का दबाव बनाया, एक जंगी बेड़ा पहले ही पहुंच चुका है

वॉशिंगटन, एजेंसी

ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के खिलाफ शिकंजा और कसने की तैयारी में है। अमेरिका ईरान के आसपास अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ा रहा है। एक भाषण में ट्रम्प ने दावा किया कि अमेरिका का एक और नौसैनिक बेड़ा ईरान की दिशा में आगे बढ़ रहा है। हालांकि, इसकी उन्होंने ज्यादा जानकारी नहीं दी। उन्होंने उम्मीद जताई कि ईरान को नए समझौते पर सहमत किया जा सकता है। एक हफ्ते पहले भी ट्रम्प ने इसी तरह का बयान देते हुए कहा था कि एक बड़ा अमेरिकी सैन्य बेड़ा ईरान की तरफ बढ़ रहा है। बीबीसी फारसी की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी युद्धपोत 'USS अब्राहम लिंकन' मिडिल ईस्ट में पहुंच चुका है। USS अब्राहम लिंकन

अमेरिकी नौसेना का एक न्यूक्लियर-पावर्ड एयरक्राफ्ट कैरियर है। यह दुनिया के सबसे बड़े और सबसे ताकतवर वॉरशिप में से एक माना जाता है। ट्रम्प ने एक्सियोस को दिए एक अलग इंटरव्यू में कहा कि ईरान के साथ स्थिति अभी बदल रही है। उन्होंने दावा किया कि ईरान अब बातचीत के लिए तैयार हो सकता है। ट्रम्प ने कहा, 'ईरान के पास वेनेजुएला से बड़ा आर्मडा (बेड़ा) है।' उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के अधिकारी कई बार संपर्क कर चुके हैं और वे डील करना चाहते हैं। ट्रम्प का मानना है कि ईरान बात करने के लिए उत्सुक है। एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने पत्रकारों को बताया कि अमेरिका बातचीत के लिए तैयार है। इसके बदले में ईरान को अमेरिका और अन्य देशों ने लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों में छूट दी, खासकर तेल निर्यात, बैंकिंग और व्यापार पर। इससे ईरान की अर्थव्यवस्था को फायदा हुआ था। ट्रम्प ने चुनाव प्रचार में ही इस समझौते को दुनिया का सबसे खराब समझौता कहा था। उनका कहना था कि यह समझौता ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षा को सिर्फ टालता है, खत्म नहीं करता। ईरान ने समझौते में बुरे इरादे से हिस्सा लिया और पहले अपना परमाणु हथियार कार्यक्रम छिपाया था।

इंस्पेक्टर सड़क पर गिरे, समर्थक गाड़ी पर चढ़े, रोते हुए बोले- वो हमारे नायक

बरेली सिटी मजिस्ट्रेट को ले जा रही पुलिस से धक्का-मुक्की

तमसा संकेत, एजेंसी

बरेली। अविमुक्तेश्वरानंद के अपमान के विरोध में इस्तीफा देने वाले बरेली के सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री को पुलिस उनके आवास से लेकर गई। गेट पर मजिस्ट्रेट के 400 समर्थक जुट गए। जैसे ही तीन गाड़ियां बाहर निकलीं, समर्थक गाड़ियों के सामने लेट गए। वे नारेबाजी करने लगे और कुछ लोग कारों पर चढ़ गए। इस दौरान उनकी पुलिस से धक्का-मुक्की भी हुई। एक इंस्पेक्टर के ऊपर अलंकार का समर्थक गिर पड़ा। दोनों सड़क पर औंधे मुंह गिर गए। इंस्पेक्टर ने वर्दी पर हाथ डालने और स्टार नोचने का आरोप लगाया। हाथापाई की नौबत आ गई। लोगों ने बीच-बचाव कराया इस दौरान लोग रोते हुए कह रहे थे कि वह हमारे नायक हैं, उनके साथ नाइंसाफी हो रही है। हम गाड़ी को आगे नहीं बढ़ने देंगे। करीब 10 मिनट तक हंगामा चलता रहा। इसके बाद पुलिस ने समर्थकों को खदेड़ दिया और अधिकारी को लेकर चली गई।

गाड़ी पर चढ़े लोग

मजिस्ट्रेट के बाहर 400 लोग, जमकर नारेबाजी

- सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री के आवास के बाहर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। उन्हें लेने के लिए तीन गाड़ियां उनके आवास पर पहुंची हैं, जिसके बाद उन्हें बरेली से बाहर ले जाया जाएगा।
- वहीं, अलंकार अग्निहोत्री के आवास के बाहर उनके समर्थकों की भारी भीड़ जुटी हुई है। करीब 400 समर्थक मौके पर मौजूद हैं। उनकी रिहाई की मांग को लेकर नारेबाजी कर रहे हैं। स्थिति को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है।

एडीएम सिटी सौरभ दुबे ने कहा- सिटी मजिस्ट्रेट को 'हाउस अरेस्ट' (नजरबंद) नहीं किया गया है, बल्कि वे एक सरकारी सेवक होने के नाते नियमावली और सुरक्षा प्रोटोकॉल के दायरे में हैं। कि इस कानून के लागू होने से उनके बच्चों की हायर एजुकेशन पर संकट खड़ा हो गया है।

बरेली में सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री बोले- गृहयुद्ध जैसे हालात

सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने कहा- UGC रेगुलेशन पूरे समाज के लिए घातक है। इसमें सामान्य वर्ग को पहले से ही स्वघोषित अपराधी मान लिया गया है। कोई भी व्यक्ति झूठी शिकायत कर सामान्य वर्ग के युवाओं और उनके परिवारों को फंसा सकता है। यह व्यवस्था समाज में जहर घोलने जैसी है।

69 लाख देने के बाद भी नहीं मिला फ्लैट

आगरा। आगरा में फ्लैट बुकिंग के नाम पर धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। सीजेएम कोर्ट ने 69 लाख 70 हजार रुपए लेने के बावजूद फ्लैट का कब्जा और सेल डीड न देने के आरोप में बिल्डर फर्म और उसके पार्टनर्स के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए हैं। मामले के अनुसार, प्रताप नगर, आगरा निवासी गुरुदास बाधवानी ने वर्ष 2016 में संजय प्लेस स्थित तुलसी इन्फ्रा हाइट प्रा. लिमिटेड के माध्यम से श्री तुलसी गोकुलम सिटी फेज-2, आगरा में एक फ्लैट बुक कराया था। फ्लैट बुकिंग के समय फर्म के पार्टनर राजकुमार अग्रवाल और मनोज कुमार अग्रवाल ने फ्लैट संख्या 402, क्षेत्रफल 2050 वर्गफुट आवंटित करते हुए एलॉटमेंट लेटर जारी किया। फ्लैट की कुल कीमत 69 लाख 70 हजार रुपए तय की गई थी और वर्ष 2018 में कब्जा देने का आश्वासन दिया गया था। आरोप है कि पीड़ित से पूरी रकम लेने के बावजूद न तो फ्लैट का कब्जा दिया गया और न ही उसके पक्ष में सेल डीड कराई गई। पीड़ित का यह भी आरोप है कि जब उसने फ्लैट या अपनी रकम वापस मांगी तो उसे सेटलमेंट के बहाने कार्यालय बुलाया गया, जहां उसके साथ अभद्रता की गई और जान से मारने की धमकी दी गई।

ज्वेलर्स की 3 दुकानों का ताला टूटा...सीसीटीवी

टॉर्च जलाकर घुसा चोर, 50 हजार के चांदी के गहने चोरी

तमसा संकेत, एजेंसी

सरोजनी नगर, लखनऊ। लखनऊ में बीती रात चोरों ने ज्वेलर्स की 3 दुकानों को निशाना बनाया। बंथरा क्षेत्र में एक दुकान से 40 से 50 हजार रुपये के चांदी के गहने चोरी किए। दो अन्य दुकानों में चोरी का प्रयास किया। बुधवार सुबह घटना की जानकारी होने पर दुकानदारों ने पुलिस को सूचना दी। बंथरा थाना क्षेत्र के रामचौरा गांव निवासी कौशल कुमार रावत की कानपुर रोड पर हनुमान मंदिर के पास 'धर्मवीर ज्वेलर्स' नाम से दुकान है। कौशल ने बताया कि मंगलवार शाम करीब सात बजे दुकान बंद कर वह घर चले गए थे। बुधवार सुबह आसपास के दुकानदारों ने उनकी दुकान का शटर टूटा देखा और उन्हें इसकी सूचना दी। मौके पर पहुंचने पर कौशल ने पाया कि दुकान का शटर टूटा हुआ था और अंदर से लगभग 40 से 50 हजार रुपये कीमत का चांदी का सामान गायब था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। इसी दौरान, बगल में स्थित बंथरा गांव निवासी अभिजीत सिंह की 'राजलक्ष्मी ज्वेलर्स' दुकान का शटर भी टूटा हुआ पाया गया। हालांकि, चोर यहां से कोई सामान चोरी करने में सफल नहीं हो सके। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर रात करीब 1:30 बजे तीन युवक शटर तोड़कर दुकानों में घुसते हुए साफ दिखाई दिए हैं। सरोजनी नगर थाना क्षेत्र के दरोगा खेड़ा स्थित चंद्रशेखर आजाद नगर कॉलोनी में रनियापुर गांव निवासी बसंत कुमार की 'अन्नू ज्वेलर्स' दुकान को भी चोरों ने निशाना बनाया।

फास्ट न्यूज

रिश्वत लेते रेलवे के 2 अफसर रंगे हाथ पकड़े गए

लखनऊ। रेलवे में पेंशन जारी करने के नाम पर रिश्वतखोरी का मामला सामने आया है। सीबीआई की एंटी करप्शन ब्रांच ने लखनऊ में उत्तर रेलवे मुख्यालय से जुड़े 2 अधिकारियों को 70 हजार रुपए की घूस लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। हजरतगंज स्थित उत्तर रेलवे मुख्यालय में तैनात असिस्टेंट डिवीजनल फाइनेंस अफसर अक्षय श्रीवास्तव और अकाउंटेंट आकाश त्यागी पर एक महिला की पेंशन जारी करने के बदले रिश्वत मांगने का आरोप है।

सरोजनीनगर में 4 दुकानों में लगी आग

सरोजनी नगर, लखनऊ। लखनऊ के सरोजनी नगर में बीती रात एक चाय की दुकान में आग लग गई। यह आग तेजी से फैली और आसपास की कई दुकानें तथा एक वाहन इसकी चपेट में आ गए। सूचना मिलने पर पहुंची दमकल की गाड़ियों ने करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग की चपेट में इंद्रासन टी स्टॉल, पंडित जी चाय की दुकान, एक पंक्चर की दुकान और एक ऑटो गैरेज आया। ऑटो गैरेज में खड़ी एक डीसीएम भी जलकर राख हो गई। आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस और फायर ब्रिगेड मामले की जांच कर रही हैं। इंद्रासन टी स्टॉल के मालिक प्रद्युम्न शाह मूल रूप से बिहार के रहने वाले हैं। उनकी दुकान सरोजनी नगर के ट्रांसपोर्ट नगर में मुंशी खेड़ा स्थित पानी टंकी के पास है। बगल में ऐशबाग निवासी कामता प्रसाद की पंडित जी चाय की दुकान है।

मतदाता सूची पुनरीक्षण की समीक्षाः

गाजीपुर। गाजीपुर में 1 जनवरी 2026 की अर्हता तिथि के आधार पर चल रहे निर्वाचक नामावलियों के विशेष पुनरीक्षण कार्य की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। यह बैठक जिला रायफल क्लब कलेक्ट्रेट सभागार में हुई, जिसकी अध्यक्षता वाराणसी मंडल के आयुक्त एवं रोल प्रेक्षक एस. राजलिंगम ने की। इसमें सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी और मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

इंदिरा नगर के समता पार्क में श्री मद भागवत कथा का छठा दिन

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समता पार्क इंदिरा नगर ए ब्लाक में भव्य तृतीय संगीतमय श्री मद भागवत कथा का गुणगान हो रहा है। पिछली 22 तारीख से आज छठे दिन भी श्रोताओं की भारी भीड़ कथा सुनने को दीवानों की तरह समूह में जुट रही है। आयोजक समता पार्क समित के महामंत्री रमेश कुमार अवस्थी ने आज बताया कि श्री मद भागवत कथा का गुणगान श्री धाम अयोध्या के कथा वाचक पं अक्षय शास्त्री जी महाराज के मुखारबिंद द्वारा किया जा रहा है। प्रथम दिन कथा शुभारंभ के पूर्व भव्य कलश यात्रा निकाली गई जिसमें आम स्थानीय भक्त भारी संख्या में सम्मिलित हुए। उन्होंने बताया कि लगातार हर वर्ष की भांति इस बार भी एकता समित के तत्वावधान में तृतीय श्री मद भागवत कथा का आयोजन जनता की बेहद मांग पर किया गया है। कृष्ण जन्म, बाल्यकाल, रुकमणि विवाह और सुदामा चरित्र का जीवंत चित्रण लोगों को बहुत हतप्रभ करनें जैसा वातावरण बना। आज रुकमणि विवाह में महिलाओं की भारी तादात रही भगवान के विवाह गीत पर अक्षय शास्त्री जी महाराज के द्वारा गाए गाए गीतों में भरा पूरा पंडाल झूम उठा मानो कोई भव्य उत्सव मचल उठा हो। क्रम वार महिलाएं रुकमणि जी के दर्शन को टूट पड़ी। सभी भक्त उनके दर्शन को जिज्ञासा भरी निगाहों से निहारते नजर आ रहे थे। कोई उनके चरण पूजने कोई भक्ति रस में डूबा हुआ झूमता नजर आ रहा था। भगवत कथा प्रस्थान के बाद भव्य भंडारे का आयोजन किया गया है। समित के पदाधिकारी अनिल कुमार ने बताया कि लोगों को प्रसाद वितरण सुचारु रूप से हो पाए इसके लिए समित के अन्य सदस्यों को अलग अलग जिम्मेदारी सौंपी गई है। समित के अन्य सदस्यों देव नाथ सिंह, अनिल सिंह, संतोष कुमार दुबे, ज्योत्सना दुबे व रमेश कुमार अवस्थी का मानना है कि किसी भी भक्त को सुविधानुसार भंडारे में प्रसाद वितरित किया जा सके और सभी को प्रसाद प्राप्त हो पाए इसके लिए बेहतर इंतजाम पहले ही किए जा चुके हैं।

महिला ने भांजे समेत आत्मदाह की कोशिश की

लखनऊ में लोकभवन के पास शरीर पर केरोसीन छिड़का, आग लगाने से पहले पुलिस ने पकड़ा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ स्थित लोकभवन के गेट नंबर 9 पर आज सुबह एक महिला ने भांजे समेत आत्मदाह करने की कोशिश की। उसने भांजे और अपने ऊपर केरोसीन छिड़क लिया। आग लगाने से पहले पुलिस ने उसे पकड़ लिया। भांजे सहित उसे हिरासत में लेकर हजरतगंज कोतवाली ले गई। महिला की पहचान काकोरी के कटेरा गांव निवासी नीतू के रूप में हुई है। उसने बताया कि गांव के दबंगों ने भाई की जमीन पर कब्जा कर लिया है। स्थानीय पुलिस से इसकी शिकायत की गई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। इस वजह से आत्मदाह करने आई थी। हमारे साथ भांजा लालता प्रसाद भी रहता है। उसको भी बार-बार मारने की धमकी दी जा रही है। इसको लेकर थाने में कई बार शिकायत की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। इसको लेकर कई जगह शिकायत की गई पर कहीं कोई सुनवाई नहीं हुई। परेशान होकर ये कदम उठाने में मजबूर हुई।

खेत पर भाई-बहन को पीटा था

नीतू ने बताया- नीरज ने खेत में बुलाकर भाई अजय की पिटाई की। मैंने इसका विरोध किया तो मुझे भी पीटा। जान से मारने की धमकी देने लगा। वह जमीन को बहुत कम दाम में खरीदना चाहता है। इसलिए नीरज हम लोगों के साथ ऐसा कर रहा है।

नीतू ने बताया कि नीरज भाई के साथ मारपीट करता है। इसलिए भाई डर के कारण कमरा बंद करके अंदर ही रहता है। उसके डर के कारण वह कमरे से बाहर तक नहीं निकलता है। इसको लेकर कई जगह शिकायत की गई पर कहीं कोई सुनवाई नहीं हुई। परेशान होकर ये कदम उठाने में मजबूर हुई।

> नीतू कुमारी ने बताया कि भाई अजय कुमार काकोरी के कटेरा गांव में रहते हैं। कटेरा गांव में भाई की जमीन है। नीरज कुमार ने रास्ता मांगने के नाम पर 8 बिस्वा जमीन पर कब्जा कर लिया है।

विधानभवन के सामने लगा जाम। उसमें स्कूली वाहन भी फंसे।

केरोसीन लेकर पहुंची थी

पुलिस की जांच में आया कि नीतू आत्महत्या करने के लिए अपने साथ एक बोतल में केरोसीन लेकर पहुंची थी। गेट नंबर 9 के पास बोतल से अपने और भांजे के ऊपर तेल छिड़कना शुरू किया। इस दौरान पुलिस की उन पर नजर पड़ गई और दोनों को पकड़ लिया। इस दौरान भी नीतू अपने और ऊपर तेल छिड़कने की कोशिश करने लगी। महिला पुलिस ने उसके हाथ से तेल का बोतल छीना। उन्हें हिरासत में लेकर हजरतगंज कोतवाली ले जाया गया।

सुलह : इंस्टाग्राम पर लिखा- सब अच्छा है, 10 दिन पहले स्वार्थी महिला कहा था

अपर्णा यादव को तलाक नहीं देंगे अखिलेश के सौतेले भाई

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के सौतेले भाई प्रतीक यादव और अपर्णा यादव के बीच सुलह हो गई है। अब प्रतीक पत्नी अपर्णा यादव को तलाक नहीं देंगे। प्रतीक यादव ने बुधवार दोपहर खुद एक पोस्ट की। इंस्टाग्राम पर प्रतीक ने अपर्णा के साथ एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा- 'All is Good यानी सब अच्छा है। चैंपियन वो होते हैं जो अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल समस्याओं को खत्म कर देते हैं। हम चैंपियंस का परिवार हैं।' 10 दिन पहले प्रतीक ने अपर्णा यादव को स्वार्थी महिला और बुरी आत्मा कहा था। इंस्टाग्राम पर 8 घंटे में तलाक को लेकर 2 पोस्ट किए थे। फिलहाल, प्रतीक ने अब तलाक को लेकर अपनी दोनों पुरानी पोस्ट दो इंस्टाग्राम से हटा दी है। अपर्णा इस वक्त भाजपा में हैं, और उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष हैं। प्रतीक (38) ने अपर्णा (36) से 14 साल पहले लव मैरिज की थी। प्रतीक मुलायम सिंह यादव की दूसरी पत्नी साधना गुप्ता के बेटे हैं। यानी अखिलेश यादव के सौतेले भाई। अपर्णा ने 2022 विधानसभा चुनाव से पहले अचानक सपा छोड़कर भाजपा जॉइन की थी। जानबूझकर ऐसी परिस्थितियां बनाई जा रही हैं, जिससे मानसिक दबाव बढ़े और उन्हें सार्वजनिक जीवन से पीछे हटने पर मजबूर किया जा सके। यह सिर्फ पारिवारिक मामला नहीं है, बल्कि इसके पीछे राजनीतिक और सामाजिक दोनों तरह के कारण हैं। उन्होंने कहा- लगातार सक्रिय रहने और अपने मुद्दों पर मजबूती से खड़े होने की वजह से वे कुछ लोगों की आंखों की किरकिरी बन गई हैं।

> प्रतीक यादव के तलाक देने के ऐलान के बाद 22 जनवरी को अपर्णा यादव ने अपनी चुप्पी तोड़ी थी। उन्होंने एक न्यूज चैनल को दिए बयान में कहा- राजनीतिक और सामाजिक सक्रियता के कारण मुझे निशाना बनाया जा रहा है, लेकिन किसी दबाव से डरने वाली नहीं हूं और पूरी तरह मजबूत हैं। साजिश करने वालों का जल्द पर्दाफाश किया जाएगा।

बोले- विवाद सुलझने से जिनकी जली वे भाड़ में जाएं

प्रतीक ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया है। जिसमें उन्होंने लिखा- 19 जनवरी को मुझमें और पत्नी अपर्णा के बीच भयंकर और खतरनाक विवाद हुआ था। तब मैंने दो पोस्ट किए थे। अब हम दोनों ने मिलकर उस विवाद को सुलझा लिखा है। जो इस विवाद के सुलझने और साथ आने से परेशान हैं, वे भाड़ में जाएं। अपर्णा ने कहा था- कुछ लोग रिश्तों को तोड़ने की साजिश रच रहे अपर्णा यादव ने कहा- मेरे और पति के बीच सब कुछ ठीक है। कुछ लोग सुनियोजित तरीके से रिश्तों में दरार डालने की कोशिश कर रहे हैं। कुछ लोग नहीं चाहते कि पारिवारिक रिश्ते मजबूत रहें।

यूजीसी के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन

एक हैं तो सेफ हैं के नारे लगे, छात्रों ने कहा- बंटेंगे तो कटेंगे

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में UGC के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन हुआ। छात्र पंचायत के बैनर तले छात्रों ने हजरतगंज गांधी प्रतिमा पर जमकर विरोध किया। छात्र पंचायत संगठन के अध्यक्ष शिवम पांडे के नेतृत्व में पहुंचे प्रदर्शनकारियों ने UGC को स्वर्ण विरोधी बनाया प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यह बराबरी नहीं, बंटवारे की नीति है। हाथों में तख्ती लेकर UGC रोल बैक के नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने कहा- बंटेंगे तो कटेंगे। एक हैं तो सेफ हैं। शिवम पांडे ने कहा कि यह काला कानून हमें किसी भी कीमत पर मंजूर नहीं है। प्रधानमंत्री ने नारा दिया था कि एक हैं तो सेफ हैं, लेकिन यह कानून यूनिवर्सिटी कैंपस में छात्रों के अंदर जहर घोलने का काम करेगा। इसी के विरोध में हम सब सड़कों पर उतरे हैं। कानून बनाने वालों को भी इसकी कोई जानकारी नहीं है। हम पूछना चाहते हैं कि अगर कोई ओबीसी छात्र जनजातीय छात्र या दलित छात्रा के साथ भेदभाव करता है, तो उस पर क्या कार्रवाई होगी? अगर कोई बच्चा सामान्य परिवार में पैदा होता है तो सीएमओ उसे इंजेक्शन लगवा कर मरवाने का काम करते हैं। आज के समय में सामान्य वर्ग में पैदा होना अपराध हो गया है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि पहले इसमें जुर्माने का प्रावधान था, मगर अब बदलाव कर दिया गया है। कोई छात्र गलत शिकायत करता है तो उस पर कोई कार्रवाई नहीं होगी। प्रधानमंत्री को खुश करने के लिए चाटुकार मंत्रियों ने यह निर्णय लिया है। जिस मंत्री ने कभी कॉलेज का मुंह नहीं देखा, वह छात्रों के लिए कानून बना रहा है। छात्र एक थाली में बैठकर खाता है। एक-दूसरे का सरनेम नहीं जानता है। यह राजनीति से प्रेरित कानून छात्रों को सिर्फ बांटना चाहते हैं। प्रदर्शन में शामिल डॉ. आकाश सिंह ने कहा कि यूजीसी में समाज को बांटने के लिए नियम बनाए गए हैं। इससे सामाजिक माहौल खराब होगा। राजनीतिक द्वेष फैलेगा। सरकार से अनुरोध है कि इसे वापस लिया जाए। यह सिर्फ सवर्ण पर कार्रवाई के लिए है। बहुत सारे सवर्ण भी आर्थिक रूप से कमजोर हैं। सरकार उनके लिए कानून कब लाएगी। ओबीसी और एससी वर्ग में जो सक्षम हैं वह इसका गलत फायदा उठाएंगे। सीधे तौर पर सवर्णों को आरोपी बना दिया गया। पहले ही कल्पना कर लिया गया कि यह सवर्ण है तो गलत है। यह कानून कहीं से भी छात्रों के हित में नहीं है। मैं पढ़ा-लिखा डॉक्टर हूं। इस कानून के पीछे की मंशा जानता हूं। केवल राजनीतिक फायदे के लिए इसे बनाया गया है और सामाजिक लाभ का इसमें कोई लेना-देना नहीं।

पृष्ठ 01 का शेष...

राज्य भण्डारण ...

अजित के चाचा शरद पवार, पत्नी सुनेत्रा, दोनों बेटे और बहन सुप्रिया सुले भी बारामती पहुंच गईं हैं। इधर, एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो, यानी AAIB ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। जांच एजेंसी की एक टीम दिल्ली में विमान की ऑपरेटर कंपनी VSR वेंचर्स के ऑफिस पहुंची है। दूसरी टीम बारामती रवाना हो गई है। इस बीच VSR वेंचर्स ने कहा है कि पायलट को 16 हजार घंटे का फ्लाइंग एक्सपीरियंस था। विमान की को-पायलट के पास 1500 घंटे का एक्सपीरियंस था। कंपनी ने दावा किया कि एयरक्राफ्ट में कोई तकनीकी खामी नहीं थी। अजित पवार की पार्टी NCP भाजपा-शिवसेना महाराष्ट्र की गठबंधन सरकार में शामिल है। उन्हें मिलाकर पार्टी के कुल 41 विधायक थे। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की विमान हादसे में मौत पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गहरा शोक जताया है और जांच की मांग की है। ममता बनर्जी ने कहा, 'दो दिन पहले उन्हें पता चला था कि अजित पवार बीजेपी छोड़ने वाले हैं. और आज यह घटना हो गई'। इस पर शरद पवार ने कहा- यह एक हादसा है। कुछ लोग इसे राजनीतिक साजिश बता रहे हैं। हालांकि, इसमें कोई पॉलिटिक्स नहीं है। यह पूरी तरह से एक हादसा है। महाराष्ट्र, हम सब उनकी तकलीफ से परेशान हैं। प्लीज यहां पॉलिटिक्स न लाएं। वे खुद उपमुख्यमंत्री थे। उनके अलावा 7 कैबिनेट और 1 राज्य मंत्री हैं। बारामती में NCP नेता नवाब मलिक ने कहा, 'आज सुबह अजित का प्लेन क्रैश में निधन हो गया। यह हमारे लिए बेहद दुखद घटना है। मेरा उनके साथ निजी रिश्ता था। हमारा परिवार उन्हें कभी नहीं भूल सकता। महाराष्ट्र ने आज एक धर्मनिरपेक्ष नेता को खो दिया है। इस नुकसान की भरपाई कोई नहीं कर सकता। दुख की इस घड़ी में पूरा देश और पार्टी परिवार के साथ खड़ी है।' जिस वक्त हादसा हुआ, उनकी मां आशा बारामती के फार्महाउस में टीवी देख रही थीं। फार्महाउस के मैनेजर संपत धायगुडे ने बताया कि आशा ताई ने पूछा- क्या दादा का एक्सीडेंट हो गया? बेटे की मौत की खबर मां को ना मिले इसलिए हम लोगों ने बंगले का टीवी केबल तुरंत काट दिया। उनका मोबाइल फोन भी फ्लाइट मोड पर डाल दिया। हम उन्हें बता रहे थे कि कुछ नहीं हुआ है।

जयपुर में दो ...

रंधावा पंजाब के पूर्व डिप्टी CM व गुरदासपुर से कांग्रेस सांसद हैं। हालांकि करीब 10 मिनट बाद दूसरे प्रयास में विमान की सुरक्षित लैंडिंग करा ली गई। जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहले भी लैंडिंग फेल होने की घटनाएं सामने आई हैं। दरअसल, फ्लाइट AI - 1719 ने दोपहर करीब 1 बजकर 5 मिनट पर जयपुर एयरपोर्ट पर लैंडिंग का प्रयास किया था। इस दौरान पायलट ने रनवे को छूते ही विमान को दोबारा हवा में उठा लिया। अस्थिर अप्रोच के कारण पायलट ने सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए 'गो-अराउंड' का फैसला लिया। पहले प्रयास के बाद विमान ने एयरपोर्ट के ऊपर कुछ देर तक गोल चक्कर लगाया। सूत्रों के मुताबिक, इस फ्लाइट में कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा भी सवार थे। घटना के दौरान विमान में मौजूद यात्रियों में कुछ समय के लिए चिंता जरूर रही। देहरादून से जयपुर आई इंडिगो की फ्लाइट 6E-7275 ने सुबह करीब 11:15 बजे लैंडिंग की अनुमति लेकर अप्रोच शुरू की, लेकिन रनवे टच करते ही पायलट ने सुरक्षा कारणों से विमान को दोबारा हवा में उठा लिया। इसके बाद विमान ने कुछ देर तक एयरपोर्ट के ऊपर चक्कर लगाया और हालात सामान्य होने पर करीब 11:25 बजे सुरक्षित लैंडिंग कराई गई।

राष्ट्रपति के ...

देश की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाने के लिए मिशन सुदर्शन चक्र पर भी काम किया जा रहा है। आज माओवादी आतंक की चुनौती सिमटकर केवल 8 जिलों तक रह गई है। इनमें से भी 3 जिले ऐसे हैं जो गंभीर रूप से प्रभावित हैं। बीते एक वर्ष में माओवादियों से जुड़े करीब 2000 लोगों ने आत्मसमर्पण किया है। इसके साथ ही लाखों नागरिकों के जीवन में शांति लौटी है। वह दिन दूर नहीं जब हमारे देश से माओवादी आतंक का पूरी तरह सफाया हो जाएगा। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, भारत में खेलों के क्षेत्र में तेजी से विकास हो रहा है। भारत की महिला टीम ने पहली बार क्रिकेट वर्ल्ड कप जीता है। इसी प्रकार महिला ब्लाइंड क्रिकेट टीम ने भी वर्ल्ड कप जीता। मैं सबको बधाई देती हैं। बीते समय में हर क्षेत्र में काम किए हैं। मेरी सरकार ने खेलो भारत नीति बनाई है। खेल संगठनों को पारदर्शी बनाया जा रहा है। 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी हासिल की है, जिसमें आप सबको सहयोग करना है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, 'सरकार दलितों, पिछड़ों, आदिवासी समुदाय और हर किसी के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ काम कर रही है। सबका साथ सबका विकास का विजन हर नागरिक की जिंदगी पर सकारात्मक असर डाल रहा है। 2014 की शुरुआत में, सोशल सिक्योरिटी स्कीम्स सिर्फ 25 करोड़ नागरिकों तक पहुंची थीं। सरकार की कोशिशों से अब लगभग 95 करोड़ भारतीयों को सोशल सिक्योरिटी स्कीम्स का फायदा मिल रहा है।' राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, 'मुद्रा योजना के तहत करीब 38 लाख करोड़ रुपए का फंड जारी हुआ है। करीब 12 करोड़ लोन रोजगार के लिए दिए।

लखनऊ-अयोध्या समेत 9 शहरों में बारिश, 29 में अलर्ट

24 घंटे में 8 शहरों में ओले गिरे, संभल-सिद्धार्थनगर में स्कूल बंद

तमसा संकेत, एजेंसी

यूपी में एक बार फिर मौसम ने पलटी मारी है। अयोध्या-लखनऊ समेत 9 शहरों में बुधवार को बारिश हुई है। लखनऊ-कन्नौज में रातभर रुक-रुक कर बारिश होती रही, जिससे सड़कों पर पानी भर गया। संभल में कक्षा 8 तक और सिद्धार्थनगर में कक्षा 12 तक के स्कूल आज बंद कर दिए गए हैं। मौसम विभाग ने 29 जिलों में आज ओले और बारिश का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 20-30 की स्पीड में हवाएं चलेंगी। बारिश से पारा 3-4 डिग्री तक गिर सकता है। प्रदेश में बलिया सबसे ठंडा जिला रहा। यहां तापमान 6.1 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। मंगलवार की बात करें तो 15 जिलों में बारिश हुई। कल देर शाम 8 जिलों में ओले भी गिरे। इसमें मुरादाबाद, आगरा, गाजियाबाद, नोएडा, बागपत, हाथरस, सहारनपुर और अमरोहा हैं। नोएडा में सबसे ज्यादा आधे घंटे तक ओले गिरे। लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल सिंह ने बताया- उत्तर भारत में इस समय पश्चिमी हवाओं का असर बना है। हरियाणा और आसपास के क्षेत्रों में हवा का चक्र सक्रिय है। ऊंचाई पर तेज पश्चिमी जेट स्ट्रीम भी चल रही है। 30 जनवरी की रात से उत्तर-पश्चिम भारत में एक नया पश्चिमी विक्षोभ प्रभाव डाल सकता है, जिससे आगे मौसम और बिगड़ेगा। बारिश की संभावना बनी हुई है। लखनऊ में मौसम बदल गया। नए साल में पहली बार इतनी तेज बारिश हुई है। मंगलवार रात से शुरू हुई बारिश बुधवार सुबह तक जारी है। आसमान में बादल छाए हैं।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं। मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676